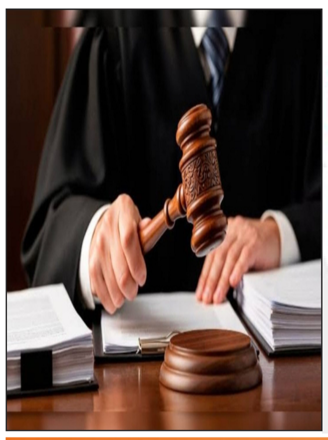

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

पुलिस की प्रभावी पैरवी से आरोपी को तीन साल का कारावास, पांच पेज: 4

सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं कियारा पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 143 | शुक्रवार 28 अगस्त 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

नेपाल में बाढ़ में फंसे तमिलनाडु के तीर्थयात्रियों की सुरक्षा पर नजर, बचाव अभियान जारी

नई दिल्ली एजेंसी: तमिलनाडु के मंत्री ए. राजमोहन ने बृहस्पतिवार को विधानसभा को बताया कि राज्य सरकार नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ के कारण फंसे राज्य के तीर्थयात्रियों के बचाव कार्य पर करीब से नजर रख रही है और चेन्नई से गए 49 अन्य लोगों की स्थिति का पता भी लगाया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि तमिलनाडु के 10 जिलों से 54 लोग और पुडुचेरी से तीन लोग तीर्थयात्रा पर गए थे। इसके अलावा सरकार को पता चला है कि चेन्नई के एक ह्यटूर ऑपरेटरह्म ने 49 तीर्थयात्रियों को मानसरोवर भेजा था जिससे तीर्थयात्रा पर जाने वाले लोगों की संख्या 106 हो गई है। विपक्ष की ओर से लाए गए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का जवाब देते हुए स्कूल शिक्षा मंत्री ए. राजमोहन ने विधानसभा को बताया कि राज्य सरकार तीर्थयात्रियों के बचाव कार्य और उनकी स्थिति पर हर घंटे नजर रख रही है

हर्ष दुबे के नेतृत्व में जेपी नड्डा से मिले आरक्षण सुधार कार्यकर्ता, जानें क्या हुई बात

नई दिल्ली एजेंसी: दिल्ली के जंतर-मंतर पर आरक्षण व्यवस्था में सुधार की मांग करने वाले प्रदर्शनकारियों के हंगामे के कुछ दिनों बाद, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने गुरुवार को कोटा-सुधार कार्यकताओं के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। इस प्रतिनिधिमंडल में नीट की तैयारी कर रहे हर्ष दुबे, रण बहादुर सिंह चौहान और मृत्युंजय पाठक जैसे कार्यकर्ता शामिल थे, जो भारत के जाति-आधारित आरक्षण ढांचे में बदलाव और सभी समुदायों के लिए समान अवसरों की मांग कर रहे हैं। इस मीटिंग पर प्रतिक्रिया देते हुए, कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक और संयोजक अभिजीत दिपके ने पूछा कि नड्डा ने यह क्यों नहीं बताया कि जंतर-मंतर पर 21 अगस्त को हुआ विरोध प्रदर्शन किसलिए था। दिपके ने एक्स पर कहा कि देश जानना चाहता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बारे में क्या सोचते हैं। एक्स पर नड्डा ने कहा कि यह दोस्ताना बातचीत पहले से तय कार्यक्रम के अनुसार हुई थी और कोटा-सुधार कार्यकताओं के साथ जल्द ही एक और बैठक होगी। हालाँकि, उन्होंने न तो आंदोलन का नाम लिया और न ही चर्चा की गई मांगों या प्रतिनिधिमंडल को दिए गए किसी आश्वासन का खुलासा किया। यह बैठक हर्ष दुबे और आरक्षण-सुधार से जुड़े अन्य प्रतिनिधियों की लखनऊ में उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक से मुलाकात के कुछ दिनों बाद हो रही है। पाठक ने उनकी मांगों को बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व के सामने रखने और 48 घंटे के अंदर किसी केंद्रीय मंत्री के साथ बैठक का इंतजाम करने का वादा किया था। यह बैठक 21 अगस्त को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुई उस भीड़ के बाद हो रही है, जिसमें

जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन के बाद आरक्षण.......

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन के बाद आरक्षण सुधार कार्यकताओं से मुलाकात की, जिन्होंने जाति-आधारित आरक्षण में बदलाव और सभी समुदायों के लिए समान अवसरों की मांग की है।

'अनरिजर्व्ड कैटेगरी' (सामान्य श्रेणी) के हजारों लोग शामिल हुए थे। यह भीड़ दुबे और कोटा-सुधार कार्यकताओं जैसे अनुराधा तिवारी और अजीत भारती के नेतृत्व में हफ़्तों तक चले ऑनलाइन अभियान के बाद जुटी थी। प्रदर्शनकारियों ने जाति-आधारित आरक्षण और यूजीसी के इक्विटी नियमों (जिन पर अब रोक लगी हुई है) का विरोध किया। कई लोगों ने मांग की कि सकारात्मक कार्रवाई (अफर्मेटिव एक्शन) के फायदों को आर्थिक स्थितियों से जोड़ा जाए। इस प्रदर्शन में जनरल सेना, चाणक्य सेना और श्री राजपूत करणी सेना जैसे संगठन भी शामिल हुए; करणी सेना ने राजस्थान के जयपुर में भी विरोध प्रदर्शन किए हैं। हर्ष दुबे ने इस बातचीत को समाज के सभी वर्गों के हित में एक सकारात्मक पहल बताया। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधिमंडल ने 21 अगस्त के विरोध प्रदर्शन के बारे में नड्डा के साथ संक्षिप्त चर्चा की और इस बैठक को बातचीत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। दुबे ने लिखा कि हम बहुत जल्द माननीय जेपी नड्डा जी से फिर मिलेंगे और समाज के सभी वर्गों के हित में सकारात्मक और उचित निर्णय के साथ आगे बढ़ने का प्रयास करेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह आंदोलन किसी खास समुदाय के खिलाफ नहीं था। उन्होंने कहा कि इसका मकसद लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से समान अवसर, एक न्यायपूर्ण व्यवस्था और राष्ट्रीय हित में जरूरी सुधार की मांग करना था। दुबे ने एक्स पर अपनी पोस्ट में आगे कहा कि टीम बाद में आगे की जानकारी और फैसलों की आधिकारिक घोषणा करेगी।

कांटे की टक्कर में योगी को पछाड़ रहे अखिलेश ! यूपी के सर्वे ने चौंकाया

लखनऊ एजेंसी: अगले साल की शुरूआत में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले आरक्षण और जाति की राजनीति को लेकर बयानबाजी तेज हो गई है। हाल ही में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक की आरक्षण-विरोधी युवाओं से बातचीत और सीएम योगी आदित्यनाथ द्वारा राहुल गांधी की मनुस्मृति पर की गई टिप्पणी पर सवाल उठाने के बाद, यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि क्या भारतीय जनता पार्टी अपने मुख्य वोटरों का समर्थन खोने को लेकर चिंतित है। विपक्षी पार्टियों का कहना है कि चुनावों से पहले जातिगत समीकरणों को साधने की कोशिशें तेज हो गई हैं। समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस ने इखढ से आरक्षण और सामाजिक न्याय पर अपना रुख साफ करने को कहा है। साल 2027 में उत्तर प्रदेश की सत्ता किसके हाथ होगी, इसका मिजाज जनता ने साफ करना शुरू कर दिया है। 'वोट वाइब' के ताजा 'स्टेट वाइब सर्वे' में सामने आया है कि यूपी की जनता इस बार सूबे की कमान किस नेता को सौंपना चाहती है। सर्वे के आंकड़ों पर नजर डालें तो मुकाबला बेहद दिलचस्प और कांटे की टक्कर का दिख रहा है। 41.1 फीसदी जनता का मानना है कि बीजेपी के नेतृत्व वाला एनडीए गठबंधन बाजी मारेगा, जबकि 41.2 फीसदी लोगों का भरोसा अखिलेश यादव की अगुवाई वाले 'इंडिया' गठबंधन पर है। रिजर्वेशन सिस्टम के खिलाफ चल रहे अभियान के बीच, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि राहुल गांधी को पहले देश की परंपराओं और विरासत को समझना चाहिए; उन्होंने यह बात मनुस्मृति से जुड़े विवाद के संदर्भ में कही। वहीं, समाजवादी पार्टी, बीएसपी और कांग्रेस रिजर्वेशन के मुद्दे पर बीजेपी से स्पष्टीकरण की मांग कर रहे हैं। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, 2024 के लोकसभा चुनावों में संविधान और रिजर्वेशन अहम मुद्दे थे। उत्तर प्रदेश में बीजेपी का प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमजोर रहा, जबकि समाजवादी पार्टी ने 37 और कांग्रेस ने छह सीटें जीतीं। विपक्षी गठबंधन ने दावा किया कि उसने दलित, पिछड़े वर्ग और अल्पसंख्यक वोटरों के बीच अपना समर्थन मजबूत किया है। इससे बीजेपी के लिए जातियों के बीच नाजुक संतुलन बनाए रखने की चुनौती बढ़ गई है।

बिहार की बेटियों को नौकरी निमार्ता बनाने का सपना: सीएम सम्राट चौधरी बोले - सिर्फ नौकरी मांगने वाली नहीं, देने वाली बनो

बिहार एजेंसी: बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक विकसित और समृद्ध बिहार की नींव के तौर पर शिक्षित और आत्मनिर्भर महिलाओं के महत्व पर जोर दिया और लड़कियों को अच्छी शिक्षा, कौशल और बेहतर अवसर देने की जरूरत बताई। 27 अगस्त को, मुख्यमंत्री ने पटना के मगध महिला कॉलेज में जी+6 साइंस ब्लॉक और ऑडिटोरियम की आधारशिला रखी। उन्होंने छात्राओं से उनकी पढ़ाई-लिखाई से जुड़ी जरूरतों, उम्मीदों और सुझावों पर भी बातचीत की। वहाँ मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए सीएम चौधरी ने कहा कि महिलाओं की तरक्की ही बिहार की तरक्की है। एक विकसित बिहार बनाने के लिए बेटियों और बहनों को अच्छी शिक्षा, आधुनिक सुविधाएँ और मौके देना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि सरकार उच्च शिक्षा संस्थानों में बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मगध महिला कॉलेज का नया साइंस ब्लॉक छात्राओं को विज्ञान की शिक्षा, रिसर्च और करियर के बेहतर मौके देगा। छात्राओं से बातचीत के दौरान, मुख्यमंत्री ने विकसित भारत और समृद्ध बिहार के सपने को पूरा करने में महिलाओं और लड़कियों की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बिहार की बेटियों को कुशल बनना चाहिए और उच्च शिक्षा हासिल करनी चाहिए। उनमें न सिर्फ. नौकरी पाने वाले, बल्कि नौकरी देने वाले बनने की भी काबिलियत और आत्मविश्वास होना चाहिए। सीएम चौधरी ने महिलाओं की शिक्षा, सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने वाली सरकारी योजनाओं का भी ज़िक्र किया, जिनमें मुख्यमंत्री बालिका पीएचडी फेलोशिप योजना और उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों की मदद के लिए बनाई गई स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना शामिल हैं। उन्होंने छात्राओं को भरोसा दिलाया कि उनके सुझावों और समस्याओं का समाधान हाल ही में शुरू किए गए स्टूडेंट सपोर्ट पोर्टल के जरिए किया जाएगा, जहाँ वे अपनी समस्याएँ दर्ज करा सकती हैं और तय समय-सीमा में उनका समाधान पा सकती हैं। मुख्यमंत्री ने मगध महिला कॉलेज के महिला हॉस्टल का निरीक्षण किया और वहां की सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि छात्राओं को कोई परेशानी न हो और पढ़ाई के साथ-साथ खेल-कूद, फिटनेस और अन्य अतिरिक्त गतिविधियों में भी उनकी भागीदारी को बढ़ावा दिया जाए।

जबलपुर में 472 करोड़ के टैंक की पूरी मरम्मत प्रोजेक्ट की शुरूआत, राजनाथ सिंह ने दिया आत्मनिर्भरता का मंत्र

नई दिल्ली एजेंसी: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को जबलपुर की व्हीकल फैक्ट्री में T-72 और T-90 टैंकों के ओवरहॉल (मरम्मत और नवीनीकरण) के लिए एक सुविधा केंद्र का उद्घाटन किया। उन्होंने इसे भारत की रक्षा निर्माण क्षमताओं और आत्मनिर्भरता को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। इस मौके पर रक्षा मंत्री ने कहा कि यह दिन भारत की औद्योगिक आत्मनिर्भरता को मजबूत करने की दिशा में एक नया मील का पत्थर है। इस कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और मंत्री राकेश सिंह भी मौजूद थे। रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में मध्य प्रदेश की भूमिका पर जोर देते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, "ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में 3,073 हेक्टेयर जमीन पर रक्षा निर्माण की क्षमता और 16,960 करोड़ रुपये से ज्यादा के प्रस्तावित निवेश, इस दिशा में राज्य की महत्वाकांक्षी सोच को दशार्ते हैं। ये कोशिशें मध्य प्रदेश को भारत का अगला बड़ा रक्षा और एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने के लिए एक मजबूत आधार तैयार कर रही हैं। उन्होंने आगे कहा, "मुझे इस बात की खास खुशी है कि 472 करोड़ रुपये का यह प्रोजेक्ट हमारे स्थानीय टैलेंट और टेक्निकल वर्कफोर्स के लिए भी मौके पैदा करेगा। हमारे युवाओं में हुनर की कोई कमी नहीं है; उन्हें बस मौके, टेक्नोलॉजी और सही इकोसिस्टम की जरूरत है। यह प्रोजेक्ट हमारे उन सैनिकों के लिए वरदान साबित होगा जो दुश्मन को खत्म करने के लिए इन टैंकों का इस्तेमाल करते हैं।" जबलपुर की पहचान डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग और मिलिट्री संस्थानों के एक बड़े केंद्र के तौर पर बताते हुए, रक्षा मंत्री ने कहा कि अब उस पहचान को एक नए स्तर पर ले जाने की कोशिशें की जा रही हैं। उन्होंने कहा, "हमारा मकसद जबलपुर को डिफेंस टेक्नोलॉजी, मेंटेनेंस, आधुनिकीकरण और मैन्युफैक्चरिंग का एक बड़ा हब बनाना है। आत्मनिर्भर भारत की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का ज़िक्र करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा भारत का रक्षा क्षेत्र अब आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। 2014 में, हमारा घरेलू रक्षा उत्पादन सिर्फ.46,000 करोड़ रुपये का था, यानी हम भारत में सिर्फ. 46,000 करोड़ रुपये के हथियार और उपकरण बना पाते थे।

अब मुंबई के टैक्सी-ऑटो ड्राइवर को मराठी सीखने के लिए पूरे 365 दिन, फडणवीस का फैसला

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को घोषणा की कि राज्य सरकार के भाषा संबंधी आदेश को लेकर हो रहे विरोध और राजनीतिक विवाद के बीच, ऑटो-रिक्शा और कैब ड्राइवरों को मराठी सीखने के लिए एक साल का समय दिया जाएगा। फडणवीस ने कहा कि अगले एक साल तक ड्राइवरों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी, ताकि उन्हें मराठी का कामकाजी ज्ञान हासिल करने के लिए समय मिल सके। फडणवीस ने कहा कि मैंने कैब और ऑटो ड्राइवरों से मुलाकात की। वे सभी इस बात से सहमत हैं कि हर किसी को मराठी आनी चाहिए, लेकिन उन्होंने कहा कि इस पेशे में अलग-अलग उम्र के लोग हैं और उनके लिए जल्दी मराठी सीखना मुश्किल है। उन्होंने एक योजना तैयार की है और इसके लिए एक साल का समय मांगा है। राज्य सरकार ने यह मांग मान ली है। इस साल कोई कार्रवाई नहीं होगी। यह घोषणा महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक के उस बयान के कुछ दिनों बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि जो ड्राइवर मराठी का कामकाजी ज्ञान दिखाने में विफल रहेंगे, उनके ऑथराइजेशन बैज सस्पेंड किए जा सकते हैं। मराठी भाषा की जांच के बीच मुंबई के ऑटो ड्राइवर बिहार और यूपी लौट रहे हैं; पुणे के ड्राइवर आरटीओ के जाल से बचने के लिए यात्रियों की 'जांच' कर रहे हैं। सरनाईक ने कहा था कि अगर ड्राइवर को मराठी की कामकाजी जानकारी नहीं है, तो उसका ड्राइवर बैज शुरू में एक महीने के लिए सस्पेंड कर दिया जाएगा। इस महीने की शुरूआत में बदले गए नियमों के अनुसार, अगर ड्राइवर उस समय के दौरान भाषा नहीं सीख पाता है

288 भारतीय नागरिक फंसे, एमईए ने संपर्क न होने की पुष्टि की, मोदी सरकार सक्रिय

नई दिल्ली एजेंसी: विदेश मंत्रालय ने बताया कि बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित नेपाल में लगभग 288 भारतीय नागरिक फंसे हुए हैं। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि इनमें त्रिशूली-1 पावर प्रोजेक्ट के 73 कर्मचारी, कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए तमिलनाडु के 37 और 49 लोग, तिमुरे में पश्चिम बंगाल के 32 नागरिक, अलग-अलग राज्यों के 61 भारतीय और केरल के 33 लोग शामिल हैं। जयसवाल ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री ने कल नेपाल के प्रधानमंत्री से बात की, गहरी संवेदना जताई और कहा कि भारत नेपाल के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है। साथ ही, हर संभव मदद का भरोसा भी दिया। उन्होंने कहा कि 288 भारतीय नागरिकों से संपर्क नहीं हो पा रहा है। इनमें 73 भारतीय नागरिक शामिल हैं जो त्रिशूली वन पावर प्रोजेक्ट में काम कर रहे हैं। काठमांडू में हमारा दूतावास इन लोगों के बारे में और जानकारी पाने के लिए प्रोजेक्ट हेड के संपर्क में है। उन्होंने बताया कि पहला ग्रुप 73 लोगों का है जो त्रिशूली-1 पावर प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। इसके बाद, तमिलनाडु के 37 और 49 लोगों के दो अलग-अलग ग्रुप हैं, जिन्होंने सम्राट और फ्लाई एवरेस्ट ट्रैवल्स के जरिए कैलाश मानसरोवर यात्रा की थी। पश्चिम बंगाल के 32 भारतीय नागरिकों का एक ग्रुप भी है, जिन्होंने रसुवा ज़िले के तिमुरे में सम्राट ट्रैवल्स की मदद से यात्रा की थी। फिर, अलग-अलग राज्यों के 61 भारतीय नागरिकों का एक ग्रुप... और उसके बाद केरल के 33 भारतीय नागरिकों का एक ग्रुप है। ये पाँच मुख्य ग्रुप हैं, जिनमें कुल मिलाकर 288 लोग शामिल हैं, जिनकी हम बात कर रहे हैं। रणधीर जायसवाल ने कहा कि हमने तमिलनाडु के 21 भारतीय नागरिकों को बचाया है... हमें जानकारी मिली है कि मानसरोवर यात्रा पर गए कई भारतीय नागरिक चीन की तरफ फंसे हुए हैं... वहां लगभग 200 भारतीय नागरिक हैं जिन्होंने वहां से निकलने के लिए हमसे मदद मांगी है। इनमें से 95 गारचन में हैं और अभी नेपाल में दाखिल होने के लिए बिल्सा की ओर बढ़ रहे हैं। चार लोग जीलोंग शहर में हैं, 13 जुटुलपो में हैं, और वे सागा शहर के रास्ते पर हैं... स्थिति लगातार बदल रही है।

हदबंदी को लेकर खरगे ने पीएम मोदी को चेताया, कहा- बिना चर्चा कोई बड़ा फैसला न लें

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने का अनुरोध किया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राजनीतिक दलों और राज्य सरकारों को प्रस्तावों की विस्तार से समीक्षा करने के लिए पर्याप्त समय दिया जाना चाहिए। गुरुवार को लिखे अपने पत्र में, खड़गे ने 16 जुलाई, 2026 को की गई अपनी पिछली अपील का ज़िक्र किया, जो इस मामले पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाए जाने की खबरों के बाद की गई थी। खड़गे ने कहा कि मैंने पिछली बार आपको 16 जुलाई, 2026 को पत्र लिखकर परिसीमन के लिए सरकार के प्रस्तावों पर चर्चा करने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने का अनुरोध किया था। उन्होंने आगे कहा कि मैंने आपसे यह भी अनुरोध किया था कि संसद के किसी भी विशेष सत्र में, जिस पर आप विचार कर रहे हों, इन प्रस्तावों को पेश करने से पहले सभी राजनीतिक दलों को इनका विस्तार से अध्ययन करने के लिए पर्याप्त समय दिया जाए। खड़गे ने इस मुद्दे पर कांग्रेस पार्टी का साफ रुख दोहराया कि इंडियन नेशनल कांग्रेस का रुख बिल्कुल साफ है। लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों की संख्या को अगले 25 सालों तक बनाए रखा जाए। उन्होंने लोकसभा सीटों के मौजूदा राज्य-वार बंटवारे को भी जारी रखने की मांग करते हुए कहा कि लोकसभा में राज्यों के हिसाब से

मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर परिसीमन पर सर्वदलीय बैठक बुलाने का अनुरोध किया है। उन्होंने लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों और उनके राज्य-वार बंटवारे को अगले 25 सालों तक यथावत रखने की मांग की है, ताकि पर्याप्त चर्चा के बिना इसे लागू न किया जाए।

सीटों की मौजूदा संख्या को अगले 25 सालों तक बनाए रखा जाए। साथ ही, उन्होंने 2029 के लोकसभा चुनावों से "महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण" लागू करने की मांग की। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के हालिया बयानों का ज़िक्र करते हुए, जिनमें संसद का एक विशेष सत्र बुलाने का संकेत दिया गया था, खड़गे ने अपनी मांग दोहराई कि केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री के संकेत के अनुसार आगे बढ़ने से पहले, मैं आपसे अपनी पुरानी मांग दोहराना चाहता हूं कि आप सभी राजनीतिक दलों की एक बैठक बुलाएं ताकि परिसीमन (सीटों के नए बंटवारे) से जुड़े आपके प्रस्तावों पर चर्चा की जा सके। सभी राजनीतिक दलों और राज्य सरकारों को ऐसे प्रस्तावों का अध्ययन करने के लिए पर्याप्त समय दें। खड़गे ने परिसीमन को देश के लिए बहुत अहम मुद्दा बताते हुए प्रधानमंत्री से अपील की कि वे बिना पर्याप्त बातचीत के इन प्रस्तावों को आगे न बढ़ाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि कृपया 16 और 17 अप्रैल, 2026 को की गई कोशिश की तरह, इस बार भी जबरदस्ती इसे लागू करने की कोशिश न करें। परिसीमन की प्रक्रिया में जनसंख्या के आंकड़ों के आधार पर संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं को फिर से तय किया जाता है।

संपादकीय

आत्महंता होनहार

राजस्थान के कोटा से एक और दुखद खबर आई। मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट की तैयारी कर रही 20 वर्षीय छात्रा ने फंदा लगाकर जान दे दी। इसके अलावा विचलित करने वाली यह खबर भी है कि पिछले पांच सालों में देश के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग संस्थान आईआईटी में 70 होनहारों ने आत्महत्या की। गंभीर चिंता यह भी कि जुलाई से शुरू हुए सत्र में अब तक आईआईटी के तीन और आईआईएम का एक छात्र आत्महत्या कर चुका है। वहीं आईआईएससी बंगलूरु में भी पंद्रह दिन में दो छात्रों ने आत्मघात किया है। विडंबना यह है कि इन आंकड़ों में देश के अन्य शिक्षण संस्थानों के आत्मघात के मामले शामिल नहीं किए जाते हैं। जिससे देश में आत्महत्या करने वाले छात्रों की वास्तविक तस्वीर सामने नहीं आ पाती। यह अकल्पनीय है कि जिन इंजीनियरिंग संस्थानों में दाखिला लेना छात्रों का सपना होता है, वहां पहुंचकर कोई छात्र आत्महत्या क्यों कर लेता है? विचारणीय प्रश्न है कि आखिर ये छात्र आत्मघाती कदम क्यों उठा रहे हैं? क्या वे इंजीनियरिंग आदि के पाठ्यक्रम के साथ साम्य नहीं बैठा पाते? क्या सिस्टम की खामियां उन्हें हताश करती हैं? क्या ग्रामीण पृष्ठभूमि से आए हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं के छात्र अंग्रेजी के पाठ्यक्रम के साथ तालमेल नहीं बैठा पाते हैं? अक्सर चर्चा होती है कि उच्च इंजीनियरिंग संस्थानों में देश के चर्चित व महंगे अंग्रेजी स्कूलों से आए छात्रों द्वारा भाषा,जाति, ग्रामीण पृष्ठभूमि तथा आर्थिक स्तर पर अन्य छात्रों के साथ भेदभाव किया जाता है। आरोप है कि अंग्रेजी माध्यम से आये छात्र हिंदी व क्षेत्रीय भाषाओं से पढ़ाई कर-के आए छात्रों को हेय दृष्टि से देखते हैं। आरोप तो यहां तक हैं कि कुछ शिक्षक भी ऐसे छात्रों के प्रति दुराग्रह रखते हैं। कमोबेश ऐसी चिंताएं ग्रामीण पृष्ठभूमि व वंचित समाज से आए छात्रों को लेकर भी सामने आती हैं। नये छात्रों को परिसर तथा छात्रावासों में भेदभाव जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है। फलतः इन छात्रों का आत्मविश्वास डिगता है। कालांतर वे अपनी कक्षाओं की पढ़ाई के साथ साम्य नहीं बना पाते व हताशा में आत्मघात की राह चुनते हैं। इंजीनियरिंग व प्रबंधन से जुड़े देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों की आत्महत्या की बढ़ती घातक प्रवृत्ति के मद्देनजर सरकार ने मामले की पड़ताल के लिए पिछली जनवरी में तीन सदस्यीय समिति गठित की थी। इस समिति ने भी स्वीकार किया था कि व्यवस्था में कुछ खामियां जरूर हैं, जिसके चलते छात्र आत्मघात के लिये बाध्य होते हैं। दरअसल, कुछ छात्र शिक्षा व्यवस्था, सामाजिक, आर्थिक व पारिवारिक आकांक्षाओं के बोझ के साथ अध्ययन कर रहे होते हैं। जिससे उनके मन में यह भय पैदा हो जाता है कि क्या वे अपने जीवन के लक्ष्य हासिल भी कर पाएंगे? बड़ी संख्या में मध्यमवर्गीय, गरीब परिवारों व वंचित समाज की प्रतिभाएं खून-पसीना एक करके इन संस्थानों में दाखिला लेती हैं। उन पर मानसिक दबाव होता है कि परिवार ने पेट काटकर और कर्ज आदि लेकर उन्हें महंगे इंजीनियरिंग व प्रबंधन संस्थानों में दाखिला दिलाया है। यदि वे असफल हुए तो परिवार को क्या मुंह दिखाएंगे? दूसरा, हमारे समाज में इंजीनियर, प्रबंधक व डॉक्टर बनने की भेड़चाल चल रही होती है।

चिंतन-मनन

प्रेम और सहयोग का नाम है परिवार

पारिवारिक सदस्यों के त्याग, सहयोग, स्वच्छता, प्रेम, संतुष्टि व व्यसनमुक्ति से ही परिवार संयुक्त और समृद्धिशाली बनता है। वे सौभाग्यशाली हैं जो संयुक्त परिवार में रह रहे हैं तथा जिन्हें माता -पिता का सान्निध्य प्राप्त हो रहा है। विश्व बंधुत्व की बात करने वालों को पहले अपने परिवार में बंधुत्व बनाए रखने के लिए प्रयत्न करना चाहिए। आज छोटी-छोटी बातों को लेकर परिवार टूट रहे हैं। हम अधिकारों की बजाए एक-दूसरे के हितों का ध्यान रखेंगे, तभी हमारे परिवार खुशहाल और सुदृढ़ होंगे।

एक माता-पिता अपने पाँच-पाँच बच्चों को पाल पोसकर बड़ा करके योग्य बना देते हैं जबकि पाँच-पाँच बच्चे बुढ़ापे में अपने एक माता-पिता को संभालने से कतराते हैं। आज हम जितने बूढ़े दादा-दादी के प्रति लापरवाह हैं यदि हमारे बचपन में वे हमारे प्रति इतने ही लापरवाह होते तो हमारी क्या दुर्गति हो गई होती। इस बात को युवा पीढ़ी को अच्छी तरह ध्यान रखना चाहिए।

परिवार में ब्याह कर आई नई बहू को चाहिए कि जितने उम्र का पति उसे मिला है कम से कम उतने साल तो सास-ससुर का फर्ज मानकर उन्हें निभा देना चाहिए। इस पीढ़ी को व्यसनमुक्त होकर अपने माता-पिता की सेवा करने, उनके प्रणाम करने के तरीको को जीवन में अपनाना चाहिए। जीवन में सदाचार को अपना कर हमें अपने विचारों को बदलना होगा। विचार जीवन का प्रतिबिंब है। संतों की संगति से अच्छे विचार आते हैं। विचार अच्छे होना हमारी जागरूकता को दर्शाता है। हमारे विचार हमारे जीवन का परिचय देते हैं। रुपया-पैसे का लालच छोड़कर हमें जीवन में धार्मिक आराधना करते रहना चाहिए। जिससे हमारा जीवन और हमारे परिवार का जीवन सार्थक होगा।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

नेपाल जलप्रलय को समझें प्रकृति की चेतावनी

डॉ. हिदायत अहमद खान

नेपाल में आई प्राकृतिक आपदा ने भारत को भी झकझोर कर रख दिया है। इस आपदा में जहां 170 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई, वहीं 133 भारतीयों समेत हजार से ज्यादा लोग लापता बताए जा रहे हैं। ऐसे में मृतकों की संख्या बढ़ने का अंदेशा भी बना हुआ है। इस विनाशकारी बाढ़ ने हिमालयी क्षेत्र की संवेदनशीलता को एक बार फिर पूरी भयावहता के साथ रेखांकित कर दिया है। तिब्बत सीमा से लगे इलाकों में अचानक आए फ्लैश फ्लड ने देखते ही देखते बस्तियों, सड़कों, पुलों और जलविद्युत परियोजनाओं को निगल लिया। यह आपदा उस खतरे की गंभीर चेतावनी को दशार्ता है जो हिमालयी क्षेत्र में तेजी से बदलते पर्यावरण, बढ़ती मानवीय गतिविधियां और अपर्याप्त आपदा तैयारी के कारण बढ़ रहा है। इस त्रासदी का सबसे मार्मिक पक्ष यह है कि बड़ी संख्या में कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए श्रद्धालुओं से लेकर तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों के पर्यटकों तक, अनेक परिवार अपने प्रियजनों की खबर का इंतजार कर रहे हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि सभी सकुशल होंगे और बहुत जल्द अपने-अपने घरों को लौअ आएंगे। संचार व्यवस्था ठप होने के कारण लापता लोगों का पता लगाना और भी कठिन हो गया है। संकट की इस घड़ी में सीमापार आपदा के लिए पहले से तैयार एक साझा तंत्र की जरूरत महसूस हो रही है। नेपाल की इस आपदा का एक महत्वपूर्ण पहलू इसकी अचानक आई बाढ़ है। अधिकारियों ने भूकंप के बाद बाढ़ आने और हिमनद या प्राकृतिक जल अवरोध टूटने की आशंका जताई है। यदि यह आशंका सही साबित होती है, तो यह घटना हिमालयी पारिस्थितिकी में हो रहे बदलावों को समझने के लिए भी महत्वपूर्ण होगी। हालांकि, किसी एक कारण को अंतिम रूप से जिम्मेदार ठहराने से पहले वैज्ञानिक जांच आवश्यक है। एक तरफ भूविज्ञानी ग्लोबल वार्मिंग को लेकर लंबे समय से दुनियां के तमाम शक्तिशाली देशों को चेताते चले आ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ यह भी कहा जा रहा है कि प्राकृतिक घटनाओं को रोकना संभव नहीं है। यहां समझने वाली बात यह है कि भविष्य में प्राकृतिक आपदाओं के विनाशकारी प्रभाव को कम करना निश्चित रूप से संभव है। इसके लिए सीमाओं से परे जाकर अथक प्रयास करने की आवश्यकता है। फिलहाल तो सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या नेपाल और उसके पड़ोसी देश ऐसी आपदाओं के लिए पर्याप्त रूप से तैयार हैं? पहाड़ी क्षेत्रों में सड़कें, पुल और जलविद्युत परियोजनाएं विकास की आवश्यकता हैं, लेकिन विकास और पर्यावरणीय सुरक्षा के बीच संतुलन न हो तो यही ढांचा आपदा के समय जोखिम बढ़ा सकता है। नेपाल में नौ बैंक शाखाओं के बह जाने और बड़ी संख्या में बैंक कर्मचारियों तथा सुरक्षाकर्मियों के संपर्क से बाहर होने की जानकारी बताती है कि आपदा का प्रभाव केवल आम आबादी तक सीमित नहीं रहता, बल्कि आर्थिक और प्रशासनिक ढांचा भी इसकी चपेट में आता है।

भारत के लिए भी यह घटना महज पड़ोसी देश की त्रासदी नहीं है। नेपाल की नदियां भारत में प्रवेश करने के बाद गंडक और अन्य नदी प्रणालियों का हिस्सा बनती हैं। इस बार नेपाल से आया तेज बहाव बिहार तक पहुंचा और वाल्मीकिनगर गंडक बराज पर दबाव बढ़ा। बराज के सभी 36 गेट खोले गए। राहत की बात यह रही कि नारायणी नदी के विस्तृत बहाव क्षेत्र में पानी फैलने से बिहार में बड़े पैमाने पर बाढ़ का खतरा फिलहाल टल गया। लेकिन इस राहत को स्थायी सुरक्षा समझना भूल होगी। दरअसल, नेपाल और भारत के बीच नदियां सीमाओं को नहीं मानतीं। इसलिए बाढ़, भूस्खलन, ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड जैसी आपदाओं से निपटने के लिए दोनों देशों को रियल टाइम सूचना साझा करने की व्यवस्था मजबूत करनी होगी। यदि किसी नदी के ऊपरी हिस्से में अचानक जलस्तर बढ़ता है, तो निचले इलाकों को समय रहते चेतावनी मिलनी चाहिए। चेतावनी और राहत के बीच जितना अधिक समय मिलेगा, उतनी ही अधिक जानें बचाई जा सकती हैं। इस आपदा ने संचार व्यवस्था की कमजोरी को भी उजागर किया है। पहाड़ी इलाकों में मोबाइल नेटवर्क और बिजली व्यवस्था के ठप होने के बाद प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह बन जाती है कि किसे बचाया जाए और कहां लोग फंसे हैं। इसलिए आपदा प्रबंधन की योजनाओं में वैकल्पिक संचार व्यवस्था, स्थानीय बचाव दल, सामुदायिक प्रशिक्षण और आपातकालीन आश्रय स्थलों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। भारत ने नेपाल के साथ एकजुटता दिखाई है और राहत सामग्री भेजी है। यह मानवीय सहयोग दोनों देशों के संबंधों की स्वाभाविक अभिव्यक्ति है। मगर असली परीक्षा आपदा समाप्त होने के बाद शुरू होती है। पुनर्वास, क्षतिग्रस्त ढांचे का पुनर्निर्माण और भविष्य के जोखिम को कम करना कहीं अधिक कठिन और लंबी प्रक्रिया है। नेपाल का जलप्रलय हमें यह समझाने के लिए पर्याप्त है कि हिमालय केवल प्राकृतिक सौंदर्य का क्षेत्र नहीं, बल्कि अत्यंत संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र भी है। विकास जरूरी है, पर्यटन जरूरी है और ऊर्जा परियोजनाएं भी जरूरी हैं, लेकिन इनके लिए प्रकृति की सीमाओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हर पुल, सड़क और परियोजना के साथ यह सवाल पूछा जाना चाहिए कि आपदा की स्थिति में उसका जोखिम कितना है। प्रकृति को दोष देकर जिम्मेदारी से बचा नहीं जा सकता।

उपहारों में नहीं, रिश्तों के अनमोल विश्वास में है राखी का मोल

योगेश कुमार गोयल

रिश्तों की पवित्रता और सुरक्षा के संकल्प का पर्व रक्षाबंधन...

रक्षाबंधन पर्व रक्षा के तात्पर्य से बांधने वाला एक ऐसा सूत्र है, जिसमें बहनें अपने भाईयों के माथे पर तिलक लगाकर जीवन के हर संघर्ष तथा मोर्चे पर उनके सफल होने तथा निरन्तर प्रगति पथ पर अग्रसर रहने की ईश्वर से प्रार्थना करती हैं तथा उनके सुखद जीवन के लिए मंगलकामना करती हैं। भाई इस कच्चे धागे के बदले अपनी बहनों की हर प्रकार की विपत्ति से रक्षा करने का वचन देते हैं और उनके शील एवं मयार्दा की रक्षा करने का संकल्प लेते हैं। वास्तव में भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक पर्व रक्षाबंधन स्नेह, सौहार्द एवं सद्भावना का एक ऐसा पर्व है, जो उन्हें अटूट एकता के सूत्र में बांध देता है। श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाए जाने वाले रक्षाबंधन पर्व की भारतीय समाज और संस्कृति में कितनी महत्ता है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि बहनों के हाथ अपने भाईयों की कलाईयों पर राखियां बांधने के लिए मचल उठते हैं और कलाई पर बांधे जाने वाले मामूली से दिखने वाले इन्हीं कच्चे धागों से पक्के रिश्ते बनते हैं। पवित्रता तथा स्नेह का सूचक यह पर्व भाई-बहन को पवित्र स्नेह के बंधन में बांधने का पवित्र एवं यादगार दिवस है। इस पर्व को भारत के कई हिस्सों में श्रावणी के नाम से जाना जाता है। पश्चिम बंगाल में ह्यगुरु महापूर्णिमाह्न, दक्षिण भारत में ह्यनारियल पूर्णिमाह्न तथा नेपाल में इसे ह्यजनेऊ पूर्णिमाह्न के नाम से जाना जाता है।

रक्षाबंधन मनाए जाने के संबंध में अनेक पौराणिक एवं ऐतिहासिक प्रसंगों का उल्लेख मिलता है। कहा जाता है कि जब देवराज इन्द्र बार-बार राक्षसों से परास्त होते रहे और हर बार राक्षसों के हाथों देवताओं की हार से निराश हो गए तो इन्द्राणी ने बहुत कठिन तपस्या की और अपने तपोबल से एक रक्षासूत्र तैयार किया। यह रक्षासूत्र इन्द्राणी ने देवराज इन्द्र की कलाई पर बांध दिया। तपोबल से युक्त इस रक्षासूत्र के प्रभाव से देवराज इन्द्र राक्षसों को परास्त करने में सफल हुए। तभी से रक्षाबंधन पर्व की शुरूआत हुई। एक उल्लेख यह भी मिलता है कि जब भगवान विष्णु ने वामन अवतार लिया था, तब उन्होंने एक ब्राह्मण वेश धारण कर अपनी दानशील प्रवृत्ति के लिए तीनों लोकों में प्रसिद्ध राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगी और बलि द्वारा उनकी मांग स्वीकार कर लिए जाने पर भगवान वामन ने अपने पग से सम्पूर्ण पृथ्वी को नापते हुए बलि को पाताल लोक भेज दिया। कहा जाता है कि उसी की याद में रक्षाबंधन पर्व मनाया गया।

रक्षाबंधन पर्व से कई ऐतिहासिक प्रसंग भी जुड़े हैं। ऐतिहासिक दृष्टि से इस पर्व की शुरूआत मध्यकालीन युग से मानी जाती है। भारतीय इतिहास ऐसे प्रसंगों से भरा पड़ा है, जब राजपूत योद्धा अपनी जान की बाजी लगाकर युद्ध के मैदान में जाते थे तो उनके देश की बेटियां उन वीर सैनिकों की आरती उतारकर उनकी कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा करती थी तथा वीर रस के गीत गाकर उनकी हौंसला अफजाई करते हुए उनसे राष्ट्र की रक्षा का प्रण भी कराती थी। कहा जाता है कि उस जमाने में अधिकांश मुस्लिम शासक हिन्दू युवतियों का बलपूर्वक अपहरण करके उन्हें अपने हरम की शोभा बनाने का प्रयास किया करते थे और ऐसी परिस्थितियों से बचने के लिए राजपूत कन्याओं ने बलशाली राजाओं को राखियां भेजकर उनके साथ भ्रातृत्व संबंध स्थापित कर अपने शील की रक्षा करनी आरंभ कर दी थी। उसी परम्परा ने बाद में रक्षाबंधन पर्व का रूप ले लिया।

चितौड़ की महारानी कर्मावती का प्रसंग तो इस संबंध में विशेष रूप से उल्लेखनीय है। जब गुजरात के शासक बहादुरशाह ने चितौड़ पर आक्रमण कर दिया तो चितौड़ की महारानी कर्मावती घबरा गई। उन्हें चितौड़ के साथ-साथ स्वयं की तथा चितौड़ की अन्य राजपूत बालाओं की सुरक्षा का कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा था। कोई उपाय न सूझने पर रानी कर्मावती ने बादशाह हुमायूं को राखी के धागे में रक्षा का पैगाम भेजा और हुमायूं को अपना भाई मानते हुए उनसे अपनी सुरक्षा की प्रार्थना की। बादशाह हुमायूं महारानी कर्मावती का यह रक्षासूत्र और संदेश पाकर भाव विभोर हो गए और अपनी इस अनदेखी बहन के प्रति अपना कर्त्तव्य निभाने तुरन्त अपनी विशाल सेना लेकर चितौड़ की ओर रवाना हो गए लेकिन जब तक वह चितौड़ पहुंचे, तब तक महारानी कर्मावती और चितौड़ की हजारों वीरांगनाएं अपने शील की रक्षा हेतु अपने शरीर की अग्नि में आहूति दे चुकी थी। उसके बाद हुमायूं ने महारानी कर्मावती की चिता की राख से अपने माथे पर तिलक लगाकर बहन के प्रति अपने कर्त्तव्य का निर्वहन करने के लिए जो कुछ किया, वह इतिहास के पन्नों पर स्वर्णाक्षरों में अंकित हो गया तथा इसी के साथ रक्षाबंधन पर्व के इतिहास में एक अविस्मरणीय अध्याय भी जुड़ गया। इस ऐतिहासिक घटना के बाद ही यह परम्परा बनी कि कोई भी महिला या युवती जब किसी व्यक्ति को राखी बांधती है तो वह व्यक्ति उसका भाई माना जाता है।

समय के साथ-साथ रक्षाबंधन पर्व के स्वरूप और मूल उद्देश्य में बहुत बदलाव आया है। तेजी से आधुनिकता की ओर अग्रसर आज के इस भागदौड़

भरे और स्वार्थपरक जमाने में जहां बहनों के लिए अब राखी का अर्थ भाई से महंगे उपहार तथा नकदी इत्यादि पाना हो गया है, वहीं भाई भी अपनी निजी जिन्दगी की व्यस्तताओं के चलते बहनों के प्रति अपने कर्त्तव्य का निर्वहन सही ढ़ंग से नहीं कर पाते। ऐसे में यह पवित्र पर्व अब रुपये-पैसे तथा साड़ी, आभूषण व अन्य कीमती उपहारों इत्यादि के लेन-देन का पर्व बनता जा रहा है और भाई-बहन के बीच राखी का मोलभाव होने की वजह से धीरे-धीरे इस पर्व की मूल भावनाएं सिकुड़ रही हैं। कच्चे धागों की जगह रेशम के धागों ने ले ली और अब इन धागों की अहमियत कम होती जा रही है। रक्षाबंधन महज कलाई पर एक धागा बांधने की रस्म नहीं है बल्कि यह भाई-बहन के अटूट स्नेह, पवित्रता और सद्भावना का पर्व है। यह पर्व रिश्तों की पवित्रता और वचनबद्धता का प्रतीक है। इसलिए रक्षाबंधन पर्व को चंद रुपयों या कीमती उपहारों से तोलकर देखना इस पर्व के अंतस में विद्यमान पवित्र भावना का अपमान है।

15 दिनों के भीतर दो बार एक मंच पर आएंगे मोदी-पुतिन और शी, ट्रंप की बेचैनी बढ़ी

भारतीय विदेश मंत्रालय ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एससीओ शिखर सम्मेलन में शिरकत करने की पुष्टि करते हुए उनके उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान दौरे के कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी जिसके बाद पूरी दुनिया में हलचल-सी मच गयी है। हलचल इसलिए मची है क्योंकि जब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग एक बार फिर एक साथ दिखाई देंगे, तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सीने पर पिछले साल की तरह फिर से सांप लोट सकते हैं। पिछली बार चीन के तियानजिन में एससीओ मंच पर इन तीन नेताओं की तस्वीर ने अमेरिकी रणनीतिक हलकों में बेचैनी बढ़ा दी थी। तब पूर्व अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने ट्रंप की टैरिफ नीतियों को भारत-अमेरिका रिश्तों को दशकों पीछे धकेलने वाला कदम बताया था और कहा था कि ऐसी नीतियों ने मोदी को पुतिन और शी के और करीब पहुंचा दिया। अब दृश्य और बड़ा है। पहले मध्य एशिया, फिर नई दिल्ली यानि पहले एससीओ और उसके तुरंत बाद ब्रिक्स। संदेश साफ है कि भारत किसी की रणनीतिक जागीर नहीं है।

देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी की उज्बेकिस्तान यात्रा और किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक होने वाला एससीओ शिखर सम्मेलन ऐसे समय पर हो रहा है, जब मध्य एशिया वैश्विक शक्ति संघर्ष का नया मैदान बन चुका है। चीन बेल्ट एंड रोड के जरिए अपनी पकड़ बढ़ा रहा है, रूस इस क्षेत्र को अपने पारंपरिक प्रभाव क्षेत्र के रूप में देखता है और अमेरिका भी यहां अपनी मौजूदगी तथा रणनीतिक पहुंच बनाए रखने की कोशिश में है। ऐसे में मोदी की सक्रिय कूटनीति भारत को खेल का महत्वपूर्ण खिलाड़ी बना रही है।

उज्बेकिस्तान इस रणनीति का अहम केंद्र है। मोदी की प्रस्तावित ताशकंद यात्रा व्यापार, रक्षा, निवेश, कनेक्टिविटी, डिजिटल तकनीक, ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिजों जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई गति दे सकती है। पिछले पांच वर्षों में भारत-उज्बेकिस्तान व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और द्विपक्षीय कारोबार लगभग 1.3 अरब डॉलर तक पहुंचने का उल्लेख किया गया है। भारत का निवेश फार्मास्यूटिकल्स, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में फैला है, जबकि भारतीय विश्वविद्यालय भी उज्बेकिस्तान में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुके हैं।

लेकिन इस यात्रा की असली ताकत केवल व्यापार के आंकड़ों में नहीं है। उज्बेकिस्तान भारत की मध्य एशिया रणनीति का महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार है। पाकिस्तान द्वारा भूमि मार्ग अवरुद्ध रखने के कारण भारत के सामने संपर्क का प्रश्न लंबे समय से चुनौती बना हुआ है। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा यानि आईएनएसटीसी और चाबहार बंदरगाह भारत के लिए सामरिक महत्व रखते हैं। ईरान और पश्चिम एशिया की मौजूदा अस्थिरता ने इन परियोजनाओं की राह कठिन जरूर बनाई है, लेकिन भारत के लिए विकल्प तलाशना अब मजबूरी नहीं, रणनीतिक आवश्यकता है।

अफगानिस्तान भी मोदी-मिर्जियोयेव वार्ता का बड़ा मुद्दा हो सकता है। स्थिर अफगानिस्तान के बिना दक्षिण और मध्य एशिया की कनेक्टिविटी, व्यापार और सुरक्षा की कोई भी बड़ी योजना अधूरी है। ताशकंद और नई दिल्ली पुनर्निर्माण, आर्थिक विकास और क्षेत्रीय स्थिरता पर अधिक निकट समन्वय विकसित कर सकते हैं। इसके साथ ही रक्षा सहयोग, 'दुस्तलिक' सैन्य अभ्यास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विज्ञान-तकनीक और महत्वपूर्ण खनिजों में साझेदारी भारत की मध्य एशिया नीति को नई धार दे सकती है।

इसके बाद बिश्केक में एससीओ का मंच मोदी को रूस और चीन समेत प्रमुख यूरेशियाई शक्तियों के साथ सीधे संवाद का अवसर देगा। भारत के लिए एससीओ केवल फोटो-ऑप नहीं है। आतंकवाद, ऊर्जा सुरक्षा, कनेक्टिविटी, आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता, ये सभी भारत के प्रत्यक्ष राष्ट्रीय हित से जुड़े प्रश्न हैं। नई दिल्ली लगातार यह भी रेखांकित करती रही है कि कनेक्टिविटी परियोजनाएं संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करें तथा आतंकवाद के खिलाफ दोहरे मानदंड स्वीकार नहीं किए जा सकते।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे दिलचस्प पहलू मोदी-पुतिन संबंध हैं। हम आपको बता दें कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर की मॉस्को यात्रा के दौरान पुतिन ने मोदी से एससीओ में मिलने की इच्छा जताई और भारत के लिए उर्वरक आपूर्ति बढ़ाने की बात कही। दोनों देशों के बीच ऊर्जा, व्यापार, परमाणु सहयोग और कृषि जरूरतों से जुड़े रिश्ते लगातार महत्वपूर्ण बने हुए हैं। भारत ने पश्चिमी दबाव के बावजूद अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर रूस के साथ आर्थिक संबंध बनाए रखे हैं और यही मोदी की रणनीतिक स्वायत्तता का सबसे बड़ा प्रमाण है।

लेकिन असली भू-राजनीतिक धमाका इसके बाद हो सकता है। 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पुतिन और शी चिनफिंग की मौजूदगी की संभावना भारत की कूटनीतिक हैसियत को और मजबूत करेगी। यदि मोदी, पुतिन और शी एक ही मंच पर लगातार दो बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में मिलते हैं, तो यह किसी औपचारिक मित्रता की घोषणा नहीं होगी; लेकिन यह जरूर दिखाएगा कि विश्व राजनीति अब एकध्रुवीय निर्देशों पर नहीं चलती।

भारत, रूस और चीन के बीच मतभेद मौजूद हैं, विशेषकर भारत-चीन संबंधों में। इसलिए इसे किसी स्थायी त्रिपक्षीय गठबंधन के रूप में देखना जल्दबाजी होगी। मगर बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था, वैश्विक शासन सुधार, ग्लोबल साउथ की आवाज, ऊर्जा सुरक्षा और वैकल्पिक आर्थिक संस्थाओं के सवाल पर तीनों देशों की बातचीत का प्रभाव अमेरिका और पश्चिमी शक्तियों तक जरूर पहुंचेगा।

मोदी की उज्बेकिस्तान से बिश्केक और फिर नई दिल्ली तक फैली यह कूटनीतिक श्रृंखला एक बड़े संदेश का निर्माण करती है। संदेश यह है कि भारत अब मध्य एशिया में अपनी पहुंच बढ़ा रहा है, रूस के साथ पुराने रणनीतिक संबंधों को नए आर्थिक आधार दे रहा है, चीन के साथ प्रतिस्पर्धा और संवाद, दोनों को एक साथ साध रहा है और ब्रिक्स जैसे मंचों के जरिए ग्लोबल साउथ की राजनीति को नई दिशा देने की कोशिश कर रहा है। वॉशिंगटन के लिए संदेश इसलिए असहज हो सकता है, क्योंकि दबाव, टैरिफ और रणनीतिक ध्रुवीकरण की राजनीति भारत को किसी खेमे में बांधने की गारंटी नहीं देती।

बहरहाल, मोदी की कूटनीति का मूल मंत्र साफ दिखाई देता है कि जहां भारत का हित, वहीं भारत का हाथ। अगले कुछ सप्ताह में ताशकंद, बिश्केक और नई दिल्ली के मंच शायद यही साबित कर दें कि बदलती विश्व व्यवस्था में भारत अपनी शर्तों पर चाल चलने वाला निर्णायक खिलाड़ी है।

रक्षाबंधन पर छात्राओं ने एसपी और एएसपी को बांधी राखी

अमरोहा (सब का सपना):- रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर गुरुवार को स्कूली छात्राएं पुलिस अधीक्षक कार्यालय, अमरोहा पहुंचीं। छात्राओं ने सबसे पहले पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव और उसके बाद अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया को राखी बांधकर रक्षाबंधन का पर्व मनाया। इस अवसर पर छात्राओं ने पुलिस परिवार के प्रति अपने स्नेह एवं विश्वास को व्यक्त किया। पुलिस अधीक्षक और अपर

पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी छात्राओं को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। साथ ही छात्राओं को मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन तथा उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। अधिकारियों ने बताया कि महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी समस्या पर बिना संकोच पुलिस से सहायता लें।

मंडी धनौरा पुलिस ने लूट-चोरी का किया खुलासा, तीन बदमाश गिरफ्तार

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराधियों के विरुद्ध अभियान के तहत थाना मंडी धनौरा पुलिस ने एसओजी व सर्विलांस टीम की मदद से लूट और चोरी की घटनाओं का सफल अनावरण किया है। पुलिस ने 3 शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूटी गई इलेक्ट्रिक स्कूटी, चोरी की मोटरसाइकिल और अवैध तमंचा बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, गुरुवार को मुखबिर की सूचना पर मोहद्दीनपुर पुल नहर पटरी के पास चेकिंग के दौरान बाइक सवार तीन युवकों को

पकड़ा गया। तलाशी में अभियुक्त राजा के पास से एक तमंचा 12 बोर, दो जिंदा कारतूस व 400 रुपये, कपिल से 600 रुपये और दीपांशु से 400 रुपये बरामद हुए।

पूछताछ में अभियुक्तों ने 18 अगस्त की रात स्कॉलर होम स्कूल के पास हुई इलेक्ट्रिक स्कूटी लूट की वारदात को कबूला। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने लूटी गई इलेक्ट्रिक स्कूटी, सैमसंग मोबाइल, दूध की कैन और वारदात में प्रयुक्त स्प्लेंडर प्लस बाइक नंबर वढ21उछ9292 बरामद की। साथ ही चोरी की दूसरी बाइक हीरो स्प्लेंडर नंबर वढ20अढ6525 भी बरामद हुई है। पकड़े गए अभियुक्तों की पहचान राजा, कपिल और दीपांशु के रूप में हुई है। अभियुक्तों ने थाना रजबपुर में हुई बाइक लूट की घटना में भी अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। पुलिस ने आवश्यक धाराओं में वृद्धि कर तीनों को न्यायालय के समक्ष पेश किया है। गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक सत्येन्द्र सरोहा के नेतृत्व में थाना मंडी धनौरा, एसओजी व सर्विलांस टीम शामिल रही।

काशी में गंगा में घटाव के बाद भी प्रवाह तेज, प्रशासन अलर्ट पर तो नौकाओं का संचालन बंद

वाराणसी। काशी में गंगा का बहाव तेज होने के कारण प्रशासन ने अलर्ट जारी कर दिया है। बाढ़ की स्थिति को देखते हुए जल पुलिस और एनडीआरएफ की टीमें लगातार गश्त कर रही हैं। सुरक्षा के दृष्टिकोण से नाव संचालन अभी भी बंद है। घाटों की ऊपरी सतह तक पानी पहुंच चुका है और बनारस के घाटों पर सिल्ट जमा हो गई है। निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क किया गया है। केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, 27 अगस्त को गंगा का जलस्तर 67.90 मीटर दर्ज किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, फिलहाल जलस्तर कुछ घट तो रहा है, लेकिन बढ़ते बहाव को देखते हुए बाढ़ राहत चौकियां सक्रिय कर दी गई हैं। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे घाटों और नदी किनारे जाने से बचें। हालांकि नौका का संचालन बंद है। गंगा के जलस्तर में वृद्धि के कारण स्थानीय निवासियों में चिंता का माहौल है। प्रशासन ने

सभी आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया है और लोगों को सुरक्षित रहने की सलाह दी है। जल पुलिस और एनडीआरएफ की टीमें लगातार स्थिति की निगरानी कर रही हैं ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके। स्थानीय लोगों को सलाह दी गई है कि वे अपने घरों में रहें और किसी भी प्रकार की अनावश्यक यात्रा से बचें। प्रशासन ने बाढ़ राहत चौकियों को सक्रिय कर दिया है ताकि जरूरतमंद लोगों को सहायता प्रदान की जा सके। इसके अलावा, घाटों पर सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके। गंगा का जलस्तर बढ़ने के साथ ही प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों को सतर्क रहने का निर्देश दिया है। जल पुलिस और एनडीआरएफ की टीमें लगातार गश्त कर रही हैं और स्थिति की निगरानी कर रही हैं। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करें। बाढ़ की स्थिति को देखते हुए, प्रशासन ने सभी आवश्यक उपाय किए हैं ताकि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। स्थानीय निवासियों को सलाह दी गई है कि वे अपने परिवार के सदस्यों के साथ सुरक्षित स्थानों पर रहें और किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में प्रशासन से संपर्क करें। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में भारी बारिश की संभावना जताई है, जिससे जलस्तर में और वृद्धि हो सकती है। प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और किसी भी प्रकार की आपात स्थिति के लिए तैयार रहें। गंगा के तेज बहाव के कारण घाटों पर स्थिति गंभीर बनी हुई है। प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे घाटों और नदी किनारे जाने से बचें और सुरक्षित स्थानों पर रहें। जल पुलिस और एनडीआरएफ की टीमें स्थिति की निगरानी कर रही हैं और किसी भी प्रकार की सहायता के लिए तैयार हैं।

भारतीय किसान यूनियन शंकर की मासिक पंचायत का ब्लॉक परिसर में किया गया आयोजन

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- गुरुवार को पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार भारतीय किसान यूनियन शंकर की मासिक पंचायत रहरा ब्लॉक प्रांगण में आयोजित हुई। अध्यक्षता राकेश कुमार दौरारा ने की, जबकि संचालन कमल ठाकुर ने किया। पंचायत में किसानों ने कहा कि चीनी 70 रुपये किलो बिक रही है, लेकिन गन्ने का उचित दाम नहीं मिल रहा। सरकार गन्ने का मूल्य 600 रुपये प्रति कुंतल करे। सिरसा एतमाली से सिलार तक हरि बाबा धाम का रास्ता कच्चा है। सावन में लाखों कांवड़िये जाते हैं, उन्हें भारी परेशानी होती है। बांध का सर्वे कराकर सड़क पक्की कराई जाए। चौरारा ळ-20 बिजली घर से छोटे

बिजली घरों को पूरी बिजली दी जाए, ताकि किसानों को दिन-रात शेड्यूल से बिजली मिल सके। स्वामीनाथन रिपोर्ट लागू कर किसान आयोग का गठन, गजरौला में ट्रॉमा सेंटर, अमरोहा को विकास प्राधिकरण का दर्जा, आउटसोर्सिंग व अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों के कर्मचारियों का वेतन रक्षाबंधन से पूर्व दिलाया जाए। सिरसा कलां मुस्तकम में मेन चौराहे से शिव मंदिर तक नाला निर्माण, पोरारा मुस्तकम में शिव मंदिर से देवी मंदिर तक टूटी सड़क व खराब हैंडपंप का रिबोर, गंगेश्वरी में पूर्व एमएलसी मुनीदेव त्यागी के मकान के सामने क्षतिग्रस्त खड़ंजा व कूड़े का निस्तारण, शाहबाजपुर गुर्जर में पीतम के घर के पास खराब हैंडपंप को ठीक कराना और क्षेत्र में आवारा पशुओं को पकड़कर गौशाला भेजना। पंचायत के बाद खंड विकास अधिकारी से वार्ता हुई, जिन्होंने जल्द निस्तारण का आश्वासन दिया। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष डॉ. योगेन्द्र कुमार, उपाध्यक्ष शीशपाल सिंह, कोषाध्यक्ष कमल ठाकुर, मीडिया प्रभारी राकेश कुमार दौरारा, भागमल, नईम, राजकुमार उपाध्याय, श्रीपाल, मोनू, भोला रावत, सुधीर, धर्मपाल आदि मौजूद रहे।

यूपी में स्टार्टअप्स को मिल रहा पूरा सपोर्ट, 'वन पोर्टल-वन विंडो' से आसान हुई राह; फाउंडर्स ने की योगी सरकार की तारीफ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश अब केवल पारंपरिक उद्योगों का ही नहीं, बल्कि नए दौर के इनोवेशन और स्टार्टअप्स का भी बड़ा हब बन रहा है। राज्य में स्टार्टअप इकोसिस्टम को और रफ्तार देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुद कमान संभाली है। राजधानी लखनऊ के लोकभवन में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में सीएम योगी ने 107 स्टार्टअप्स को 3.42 करोड़ रुपये और 9 इनक्यूबेटर्स को 1.79 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि के चेक बांटे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने स्टार्टअप फाउंडर्स से सीधा संवाद कर उन्हें सरकार के हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम में मौजूद युवा उद्यमियों ने योगी सरकार की 'वन पोर्टल, वन विंडो' जैसी नीतियों की जमकर सराहना की। 'वन विंडो' से आसान हुई राह, 20 दिन का काम तुरंत कार्यक्रम के दौरान 'एडूबुक' के सह-संस्थापक अपूर्व बजाज और सीओओ शिवानी मल्होत्रा ने योगी सरकार की स्टार्टअप नीति को गेमचेंजर बताया। साइबर सिक्योरिटी, एआई और डेटा एनालिटिक्स के क्षेत्र

में काम करने वाले इस स्टार्टअप को 4.50 लाख रुपये का अनुदान मिला है। शिवानी ने बताया कि उनके पोर्टल से छात्रों का बैकग्राउंड वेरिफिकेशन अब तुरंत हो जाता है, जिसमें पहले 20 दिन लगते थे। इसके अलावा, योगी सरकार की महिला प्रोत्साहन नीति से प्रेरित होकर उनके लखनऊ कार्यालय में 50 प्रतिशत स्टाफ महिलाएं हैं। डिफेंस और एयरोस्पेस में यूपी के स्टार्टअप्स की उड़ान सुरक्षा बलों के लिए आधुनिक उपकरण बनाने में भी यूपी के स्टार्टअप्स पीछे नहीं हैं। 'एंड्योरएयर सिस्टम्स' के सीईओ रामा कृष्णा ने बताया कि उनकी कंपनी सेना के लिए लॉजिस्टिक्स, सर्विलांस और अटैक ड्रोन बना रही है, जिसमें 150 लोग काम कर रहे हैं। वहीं, 'सिंह डायनेमिक्स' के डॉ. हिमांशु सिंह सेना के लिए छोटे हथियार विकसित कर रहे हैं। इसके अलावा अंतरिक्ष के क्षेत्र में, 'त्रिशूल पल्सेशन टेक्नोलॉजी' क्रायोजेनिक रॉकेट इंजन पर काम कर रही है, जिसके उत्पाद विदेशी कंपनियों को भी सप्लाई हो रहे हैं। इन सभी कंपनियों ने प्रोटोटाइप और विस्तार के लिए योगी सरकार से मिले अनुदान को बेहद अहम बताया। हर घर जल और हेल्थकेयर सेक्टर में इनोवेशन बुनियादी सुविधाओं और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी स्टार्टअप्स बड़े बदलाव ला रहे हैं। 'वीडीटी पाइपलाइन' के एमडी भुवनेश शर्मा ने बताया कि उनका स्टार्टअप तेल, गैस और पानी की पाइपलाइन व्यवस्था को बेहतर बनाने पर काम कर रहा है। सीएम योगी ने उनके साथ प्रदेश के 'हर घर तक पानी' पहुंचाने के विजन पर चर्चा की और जमीन व फंड का आश्वासन दिया। वहीं, हेल्थकेयर सेक्टर में 'जेनोमिक्स सॉल्यूशंस' की डॉ. दीक्षा भारतीया नवजात शिशुओं में दुर्लभ बीमारियों की स्क्रीनिंग पर काम कर रही हैं। इसके लिए पेटेंट भी फाइल किया जा चुका है। बीमारू से विकास की ओर बढ़ता प्रदेश कार्यक्रम में मौजूद सभी स्टार्टअप फाउंडर्स की बातों का एक ही लब्बोलुआब था– उत्तर प्रदेश अब पूरी तरह बदल चुका है। कभी बीमारू कहे जाने वाले इस राज्य में अब इनोवेशन, फंडिंग और उद्योग के लिए एक शानदार इकोसिस्टम तैयार हो चुका है। सरकार से मिल रही आर्थिक मदद, जमीन और तकनीकी सुविधाओं के कारण यूपी के युवा अब नौकरी मांगने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बन रहे हैं।

धनौरा ब्लॉक परिसर से दिनदहाड़े सफाई कर्मी की बाइक चोरी, घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद, जांच में जुटी पुलिस

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा ब्लॉक परिसर में चोरों ने दिनदहाड़े चोरी की घटना को अंजाम देते हुए वहां पर कार्यरत एक सफाई कर्मी की बाइक चोरी कर ली और मौके से फरार हो गए। चोरी की घटना की पूरी वारदात वहां पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई जिसके आधार पर स्थानीय पुलिस जांच पड़ताल में जुटी है। बता दें कि मामले में प्राप्त जानकारी के मुताबिक ब्लॉक धनौरा में कार्यरत सफाई कर्मचारी राजू पुत्र इंद्रपाल सिंह (निवासी मिलक मोहम्मदपुर पट्टी) प्रतिदिन की तरह सुबह करीब 9:00 बजे कार्यालय पहुंचे थे। उन्होंने अपनी बाइक ब्लॉक परिसर में खड़ी की और

सफाई कार्य में लग गए।सफाई का कार्य पूरा करने के बाद राजू सुबह लगभग 10 बजे बाहर आए, तो उन्होंने देखा कि उनकी बाइक वहां नहीं थी। आसपास काफी खोजबीन करने के बावजूद बाइक का कोई सुराग नहीं मिला।घटना के बाद ब्लॉक परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की गई। फुटेज में सुबह 9:52 बजे एक संदिग्ध युवक बाइक लेकर ब्लॉक परिसर से बाहर जाते हुए दिखाई दे रहा है।सूचना मिलते ही बछरायूं थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ब्लॉक के सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। फुटेज के आधार पर चोर की पहचान कर उसकी तलाश की जा रही है। बछरायूं थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले इस इलाके में पुलिस ने आसपास के मार्गों पर भी सघन चेकिंग अभियान चलाया है।सरकारी ब्लॉक परिसर से दिनदहाड़े हुई इस चोरी की घटना से कर्मचारियों में सुरक्षा को लेकर चिंता है। एडीओ पंचायत योगेंद्र सिंह और उनकी टीम ने पुलिस प्रशासन से जल्द आरोपी को गिरफ्तार करने और चोरी हुई बाइक बरामद करने की मांग की है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि आरोपी को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा।

रक्षाबंधन पर बस अड्डे पर उमड़ा जनसैलाब, बारिश ने बढ़ाई यात्रियों की मुसीबत

फतेहपुर (सब का सपना):- रक्षाबंधन पर्व के चलते घर जाने वाले यात्रियों की संख्या में भारी इजाफा हुआ है। फतेहपुर बस स्टैंड और रोडवेज में यात्रियों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है कानपुर,फतेहपुर, खागा प्रयागराज , फतेहपुर रूट की बसें पूरी तरह फुल चल रही हैं। सुबह के 5:00 बजे से लोग कर रहे हैं इंतजार,वहीं

लगातार हो रही बारिश ने यात्रियों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

बसों का इंतजार कर रहे लोगों को बारिश के बीच भीगते हुए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।हालांकि इस अफरा-तफरी के बीच भी त्योहार की खुशी बरकरार है। लोग अपने घर पहुंचने के लिए इस चुनौती भरे सफर को भी खुशी-खुशी तय कर रहे हैं।

तिगरी में गंगा नदी का जलस्तर 20 सेमी घटा, पुरोहितों की झोपड़ियां अभी भी जलमग्न, खेतों में भी पानी भरा

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला की गंगा धाम तिगरी में गंगा का जलस्तर घटता दिखाई दे रहा है लेकिन अभी भी गंगा घाटों पर पुरोहितों की झोपड़ियां जलमग्न है एवं आसपास के क्षेत्रों में भी पानी भरा हुआ है। बुधवार को गंगा का जलस्तर 200.60 सेमी से घटकर 200.50 दर्ज किया गया था जबकि गुरुवार को गंगा का जलस्तर 200.30 सेमी दर्ज किया गया। यानी बुधवार से लेकर गुरुवार तक गंगा का जलस्तर 30 सेंटीमीटर घटा है। बता दें कि पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही मूसलाधार बारिश का असर मैदानी इलाकों में स्पष्ट दिख रहा है। हरिद्वार बैराज से गंगा नदी में लगातार भारी मात्रा में पानी छोड़ा जा रहा है। गुरुवार को हरिद्वार बैराज से 73039 क्यूसेक और बिजनौर बैराज से 54557 क्यूसेक पानी डिस्चार्ज किया गया।अमरोहा के गांव ओसीताजगदेपुर में खेतों में चार-चार फीट तक पानी भर गया है। अमरोहा के गांव ओसीताजगदेपुर में खेतों में चार-चार फीट तक पानी भर गया है। हालांकि, पिछले दिन के मुकाबले गंगा का जलस्तर 20 सेंटीमीटर घटा है। तिगरी गंगा घाट पर पानी कम होने से अस्थाई दुकानें लगाने वाले लोगों को कुछ राहत मिली है। इसके बावजूद, गांव ओसीताजगदेपुर और आसपास के चार गांवों में किसानों की सैकड़ों बीघा फसलें अभी भी पानी में डूबी हुई हैं। ग्रामीणों को पशुओं के लिए चारा लाने में भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। बाढ़ खंड तिगरी के जेई सुभाष कुमार ने बताया कि गंगा का जलस्तर पिछले कई दिनों से घट-बढ़ रहा है। उन्होंने आश्वस्त किया कि गंगा अभी खतरे के निशान से काफी दूर है और बाढ़ जैसी स्थितियों से निपटने के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। जलस्तर पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

माध्यमिक शिक्षा परिषद 9 से कक्षा 11वीं तक करने जा रहा बड़ा बदलाव, यूपी के स्टूडेंट्स को मिलेगी खास सुविधा

लखनऊ। माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा कक्षा नौ और 12 के विद्यार्थियों की अपार आइडी तैयार कराने की प्रक्रिया तेज कर दी है। वर्तमान में कक्षा नौ व 11 के विद्यार्थियों के अग्रिम पंजीकरण और कक्षा 10 व 12 के विद्यार्थियों के परीक्षा आवेदन पत्र भरने की प्रक्रिया चल रही है। परिषद ने इस प्रक्रिया के साथ सभी विद्यार्थियों के शैक्षणिक विवरण को सुरक्षित रखने के लिए ह्वन नेशन, वन स्टूडेंट आइडी (अपार आइडी) की व्यवस्था करने के लिए कहा है। इस संबंध में सभी प्रधानाचार्यों को पत्र भेजा गया है। अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन

शर्मा ने बताया कि अपार आइडी 12 अंकों की एक स्थायी डिजिटल पहचान है, जो विद्यार्थी की पूरी शैक्षणिक यात्रा (स्कूल से लेकर उच्च शिक्षा तक) के क्रेडिट और रिपोर्ट कार्ड को एक स्थान पर सुरक्षित रखती है। दस्तावेज खोने या खराब होने का नहीं रहे डर इसके माध्यम से विद्यार्थी के सभी सर्टिफिकेट (मार्कशीट, ट्रांसफर सर्टिफिकेट आदि) डिजीलाकर पर डिजिटल रूप से सुरक्षित रहेंगे, जिससे भविष्य में दस्तावेज खोने या खराब होने का डर नहीं रहेगा। सही विवरण और आंकड़ों के आधार पर विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति, कल्याणकारी योजनाओं और शैक्षणिक सुविधाओं का लाभ सीधे और बिना किसी बाधा के सुनिश्चित किया जा सकेगा।

सचिव माध्यमिक शिक्षा परिषद भगवती सिंह ने बताया कि पंजीकरण व आवेदन पत्र भरते समय अपार आइडी का विवरण देना अनिवार्य नहीं है, परंतु विद्यार्थियों के हित में सभी विद्यालय प्रधानाचार्यों, शिक्षकों व से बच्चों की अपार आइडी बनवाकर इसे अग्रिम पंजीकरण व परीक्षा फार्म में दर्ज कराने का अनुरोध किया गया है।

गजरौला हाईवे 9 पर सड़क दुर्घटना में फरुखाबाद के युवक की मौत, रोड पर करते समय हुआ हादसा

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला में नेशनल हाईवे 9 पर सड़क दुर्घटना में एक फरुर्खाबाद के युवक की मौत हो गई बताया जा रहा है कि यह हादसा उस समय हुआ जब युवक सड़क पार कर रहा था। हादसा होते ही मौके पर स्थानीय लोगों एवं राहगीरों की भीड़ इकट्ठा हो गई। आनन-फानन में युवक को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लाया गया जहां डॉक्टर ने उसे अमृत घोषित कर दिया। बता दें कि यह पूरी घटना गुरुवार की दोपहर की बताई

जा रही है। जहां गजरौला क्षेत्र में नेशनल हाईवे 9 पर स्थित पैराडाइज होटल के आसपास सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। हादसा होते ही मौके पर स्थानीय लोगों एवं राहगीरों की भीड़ का जमावड़ा लग गया। आनन-फानन में युवक को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लाया गया जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक युवक की पहचान फरुर्खाबाद जनपद के रहने वाले सुल्तानपुर निवासी सूरज पुत्र प्रमोद के रूप में हुई है,उधर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

किसानों की समस्याओं को लेकर भाकियू ने जिला मुख्यालय पर सौंपा ज्ञापन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (बीआरएसएस) के कार्यकर्ता गुरुवार को युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप शर्मा के नेतृत्व में बहजोई स्थित जिला मुख्यालय पर एकत्रित हुए। इस दौरान जिलाध्यक्ष सम्भल कामेन्द्र चौधरी ने किसानों और ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर नीरज द्विवेदी को सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि आगामी 1 सितंबर को ब्लॉक संभल की पंचायत में किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए उपजिलाधिकारी संभल, खंड विकास अधिकारी, अधिशासी अभियंता विद्युत, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, एसडीओ जल मिशन, आपूर्ति निरीक्षक तथा परियोजना निदेशक/यूपीडा समेत संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। संगठन ने कहा कि अधिकारी दोपहर दो बजे तक धरनास्थल पर पहुंचकर किसानों की समस्याओं पर वार्ता करें। समय पर अधिकारियों के नहीं पहुंचने अथवा समस्याओं का समाधान न होने पर आंदोलन को आगे बढ़ाने की चेतावनी दी गई। इसके अलावा भाकियू पदाधिकारियों ने मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट को भी ज्ञापन सौंपकर ग्राम चमरौआ, भारतल, गोजनी, सिंहपुर सानी, लखौरी और हिसामपुर के मुख्य मार्गों की जर्जर स्थिति का मुद्दा उठाया। कार्यकताओं ने इन रास्तों की शीघ्र मरम्मत और निर्माण कराने की मांग की। जिलाध्यक्ष कामेन्द्र चौधरी ने कहा कि सरकार किसान, मजदूर सहित विभिन्न वर्गों के हित में अनेक योजनाएं संचालित कर रही है, लेकिन जनपद स्तर पर भ्रष्टाचार और लापरवाही के कारण कई पात्र लोगों को योजनाओं का अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है। संगठन ने प्रशासन से पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से पहुंचाने की मांग की। इस दौरान युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप शर्मा, जिला अध्यक्ष कामेन्द्र चौधरी, जिला संगठन मंत्री चौ. ऋषिपाल सिंह, जिला मंत्री (अ. मो.) सुफियान पाशा, तहसील संरक्षक सेवक सैनी, तहसील अध्यक्ष (अ. मो.) मेंहदी हसन, तहसील प्रभारी राजीव सैनी, तहसील सचिव ताराचन्द सैनी, ब्लॉक उपाध्यक्ष युवा मो. हसन, ब्लॉक प्रभारी नरेन्द्र चौधरी, ब्लॉक मंत्री मनीराम गुर्जर, वरिष्ठ कार्यकर्ता मो. जाकिर अली सहित संगठन के अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रक्षाबंधन से एक दिन पहले बाजारों में उमड़ी भीड़, खरीदारी को लेकर बढ़ी रौनक

राखियों की दुकानों पर महिलाओं की लगी भीड़, मिठाई और उपहार की दुकानों पर भी बढ़ी चहल-पहल

बहजोई/संभल(सब का सपना):- रक्षाबंधन पर्व से एक दिन पहले गुरुवार को जनपद के बहजोई नगर के बाजारों में खरीदारी को लेकर जबरदस्त रौनक देखने को मिली। सुबह से ही बाजारों में लोगों की आवाजाही बढ़ने लगी और दोपहर बाद बाजारों में भीड़ और अधिक बढ़ गई। खासकर महिलाओं और युवतियों में रक्षाबंधन को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया। महिलाएं अपने भाइयों के लिए पसंदीदा राखियां खरीदती नजर आईं। बहजोई के विभिन्न बाजारों में राखियों की अस्थायी दुकानें और स्टॉल सजे हुए हैं। दुकानों पर रंग-बिरंगी और आकर्षक डिजाइन वाली राखियां ग्राहकों को अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। बच्चों के लिए कार्टून वाली राखियों से लेकर युवाओं और बड़ों के लिए अलग-अलग डिजाइन की राखियां उपलब्ध हैं। महिलाएं दुकानों पर पहुंचकर राखियों के डिजाइन और कीमतों की जानकारी लेने के बाद अपनी पसंद की राखियां खरीद रही हैं। आज मनाया जाएगा रक्षाबंधन पर्व, जिसको लेकर बाजारों में अंतिम समय की खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ बढ़ गई है। राखी के साथ भाई के लिए उपहार, मिठाई, कपड़े और अन्य सामान की भी खरीदारी की जा रही है। मिठाई की दुकानों पर भी ग्राहकों की आवाजाही बढ़ने से दुकानदारों में उत्साह है। दुकानदारों ने पर्व को देखते हुए पहले से ही मिठाइयों और अन्य सामान की तैयारियां कर रखी हैं। रक्षाबंधन को लेकर बाजार में बढ़ी भीड़ के चलते मुख्य बाजारों और प्रमुख मार्गों पर दिनभर चहल-पहल बनी रही। दुकानदारों का कहना है कि पर्व की पूर्व संध्या पर खरीदारी बढ़ने से कारोबार में तेजी आई है। वहीं बहनें भी अपने भाइयों की कलाई पर बांधने के लिए सुंदर राखी खरीदकर त्योहार की तैयारियों को अंतिम रूप देती दिखाई दीं। रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम, विश्वास और स्नेह का प्रतीक पर्व है। बहनें इस दिन भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना करती हैं, जबकि भाई बहनों की रक्षा का संकल्प लेते हुए उन्हें उपहार देते हैं। पर्व को लेकर बहजोई नगर में गुरुवार को पूरे दिन उत्साह और त्योहार जैसा माहौल नजर आया।

कब्रिस्तान में दफन के नाम पर 40 हजार रुपये मांगने का आरोप, ईओ से शिकायत

बिजनौर (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद स्योहारा के अधिशासी अधिकारी को दिए गए शिकायती पत्र में सरकारी/नगर पालिका के कब्रिस्तान में कथित रूप से अवैध कमेटी बनाकर मृतकों के परिजनों से धनराशि वसूलने और विरोध करने पर गाली-गलौज व धमकी देने का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

मोहल्ला मिल्कियान निवासी नौशाद हुसैन पुत्र महमूद इलियास ने शिकायती पत्र में आरोप लगाया कि करीब 11 माह पूर्व उनके भाई शहबाज की मृत्यु के बाद शव को सरकारी/नगर पालिका के कब्रिस्तान में दफनाने के लिए ले जाया गया था। आरोप है कि उस समय कुछ लोगों ने कब्रिस्तान में दफनाने के लिए पांच हजार रुपये की मांग की थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, रकम नहीं देने पर कथित तौर पर रसीद भी उपलब्ध नहीं कराई गई। शिकायत में कहा गया है कि 22 अगस्त को वह अपने दूसरे भाई शमशाद हुसैन की मृत्यु के बाद शव को दफनाने के लिए कब्रिस्तान पहुंचे। आरोप है कि वहां कथित कमेटी के पदाधिकारियों ने कब्र खोदने और जनाजा दफनाने की व्यवस्था करने के लिए 40 हजार रुपये की मांग की। शिकायतकर्ता का आरोप है कि रकम देने से इनकार करने पर उसके साथ गाली-गलौज और अभद्र व्यवहार किया गया तथा शव को कब्रिस्तान से वापस ले जाने के लिए कहा गया। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि कब्रिस्तान में कुछ लोगों ने अपने स्तर से कमेटी बना रखी है और मृतकों के परिजनों से मनमाने तरीके से धनराशि मांगी जाती है। उसने नगर पालिका से कब्रिस्तान की वास्तविक स्वामित्व एवं प्रबंधन व्यवस्था की जांच कराने की मांग की है। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी विजेंद्र सिंह पाल ने बताया कि मामले की जांच कराकर दोषी पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। वहीं, नगर पालिका अध्यक्ष फैसल वारसी से मामले में पालिका का पक्ष जानने के लिए फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

शिकायत में पांच हजार और 40 हजार रुपये की कथित मांग की जांच, रसीद न देने के मामले में कार्रवाई, 22 अगस्त की घटना में गाली-गलौज व मारपीट के आरोपों की जांच तथा कब्रिस्तान में किसी भी तरह की अवैध वसूली और दबाव पर रोक लगाने की मांग की गई है। साथ ही शिकायतकर्ता ने अपने परिवार को खतरा बताते हुए सुरक्षा की भी मांग की है।

पुलिस की प्रभावी पैरवी से आरोपी को तीन साल का कारावास, पांच हजार रुपये जुमार्ना

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश द्वारा चलाए जा रहे अभियान ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत सम्भल पुलिस द्वारा अपराधियों को सजा दिलाने के लिए गुणवत्तापूर्ण विवेचना और प्रभावी अभियोजन पैरवी की जा रही है। इसी क्रम में गुरुवार को थाना असमोली में दर्ज पॉक्सो एक्ट एवं एससी/एसटी एक्ट से संबंधित मुकदमे में पुलिस की प्रभावी पैरवी के चलते न्यायालय ने अभियुक्त को दोषसिद्ध कर सजा सुनाई। मामले में अभियुक्त रसीत पुत्र नसीर के विरुद्ध थाना असमोली, जनपद सम्भल में पॉक्सो एक्ट एवं एससी/एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज था। मामले की विवेचना पूरी करने के बाद पुलिस द्वारा न्यायालय में प्रभावी पैरवी की गई और अभियोजन पक्ष ने साक्ष्यों एवं तथ्यों को मजबूती से प्रस्तुत किया। अवधेश कुमार सिंह, न्यायालय विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट/अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सम्भल स्थित चन्दौसी के न्यायालय ने मुकदमे में अभियुक्त रसीत को दोषसिद्ध करते हुए तीन वर्ष के कारावास तथा 5,000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। पुलिस के अनुसार ऑपरेशन कन्विक्शन का उद्देश्य अपराधियों को उनके किए अपराध की सजा दिलाना और पीड़ितों को न्याय उपलब्ध कराना है। इस कार्रवाई में आदित्य कुमार सिंह एडीजीसी, कोर्ट मोहर्रिर हेड कांस्टेबल विनोद राठौर तथा कांस्टेबल जोगेन्द्र, कोर्ट पैरोकार थाना बनियाठेर का सराहनीय योगदान रहा। सम्भल पुलिस की इस कार्रवाई से स्पष्ट है कि गंभीर अपराधों में दोषियों को सजा दिलाने के लिए पुलिस और अभियोजन पक्ष द्वारा लगातार प्रभावी पैरवी की जा रही है।

पर्ची के आरोप में छात्र को रिस्टीकेट करने के बाद पिटाई का आरोप, कानपुर ले जाते समय मौत

सरकारी अवकाश में परीक्षा कराने का भी आरोप, पंद्रह सौ जुमार्ना लगाने की बात, सौंरा के पास अचेत मिला था कक्षा 12 का छात्र

फतेहपुर (सब का सपना):- सदर कोतवाली क्षेत्र के शिवपुरम स्थित सरस्वती बाल मंदिर इंटर कॉलेज में कक्षा 12 के छात्र की मौत के बाद विद्यालय प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। परिजनों के अनुसार परीक्षा के दौरान छात्र के पास कथित रूप से पर्ची मिलने पर प्रधानाचार्य नाराज हो गए। आरोप है कि छात्र पर 1500 रुपये का जुमार्ना लगाया गया और उसे रिस्टीकेट कर दिया गया। इसी दौरान छात्र की कथित पिटाई किए जाने की बात भी सामने आ रही है।परिजनों के मुताबिक, घटना के बाद छात्र साइकिल से कहीं जा रहा था। इसी दौरान मलवां थाना क्षेत्र के सौंरा के पास वह अचेत अवस्था में मिला। पुलिस ने छात्र के विद्यालय आई-कार्ड के जरिए परिजनों का नंबर हासिल कर उन्हें सूचना दी। इसके बाद परिजन छात्र को मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां से हालत गंभीर होने पर उसे रेफर कर दिया गया। कानपुर ले जाते समय रास्ते में छात्र ने दम तोड़ दिया।मृतक छात्र की पहचान तेजस उर्फ यशु पुत्र दिलीप द्विवेदी, निवासी मुरांव के रूप में बताई गई है। वह विद्यालय में कक्षा 12-बी का छात्र था।

सरकारी अवकाश में परीक्षा पर भी सवाल

मामले में एक और गंभीर सवाल यह है कि सरकारी अवकाश के बावजूद विद्यालय में परीक्षाएं आयोजित किए जाने की बात कही जा रही है। यदि यह आरोप सही है तो सवाल उठता है कि निजी विद्यालयों के लिए सरकारी अवकाश और विभागीय निर्देशों के क्या मायने हैं? क्या विद्यालय संचालकों के लिए नियम-कायदे अलग हैं?

छात्र की मौत ने खड़े किए कई सवाल

छात्र परीक्षा के बाद किन परिस्थितियों में विद्यालय से निकला? उसके साथ विद्यालय में वास्तव में क्या हुआ? क्या उसकी पिटाई की गई थी? 1500 का जुमार्ना और रिस्टीकेशन किस आधार पर किया गया?

सौंरा के पास छात्र अचेत अवस्था में कैसे पहुंचा और उसकी मौत की वास्तविक वजह क्या रही– इन तमाम सवालों का जवाब जांच के बाद ही सामने आएगा।एक छात्र की मौत से जुड़े इस गंभीर मामले में विद्यालय प्रबंधन की भूमिका की निष्पक्ष जांच की मांग उठने लगी है। अब निगाहें पुलिस और शिक्षा विभाग की जांच पर टिकी हैं कि पूरे घटनाक्रम की सच्चाई सामने आती है या मामला आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित रह जाता है।

डीएवी स्कूल बबराला में संस्कृत सप्ताह महोत्सव का शुभारंभ

बबराला/संभल(सब का सपना):- डीएवी फर्टिलाइजर पब्लिक स्कूल, बबराला में संस्कृत सप्ताह महोत्सव का शुभारंभ विशेष संस्कृत प्रार्थना सभा के साथ किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने संस्कृत भाषा के प्रति अपनी रुचि, प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों से विद्यालय का वातावरण संस्कृतमय हो उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके बाद विद्यार्थियों ने संस्कृत भाषा में सुविचार, भाषण, समाचार वाचन तथा संस्कृत गीत प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ अपनी प्रस्तुतियां दीं, जिन्हें विद्यालय परिवार ने सराहा। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य आनन्द स्वरूप सारस्वत ने कहा कि संस्कृत हमारी संस्कृति, ज्ञान और संस्कारों की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि डीएवी जैसी संस्था में अध्ययन करना विद्यार्थियों के लिए सौभाग्य की बात है, जहां शिक्षा के साथ भारतीय संस्कृति, संस्कार और संस्कृत भाषा को भी विशेष महत्व दिया जाता है। संस्कृत के अध्ययन से विद्यार्थियों के बौद्धिक, भाषायी एवं व्यक्तित्व विकास को नई दिशा मिलती है।

विद्यालय के चेयरमैन एवं यारा फर्टिलाइजर फैक्ट्री, बबराला के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एम. एस. प्रसाद ने संस्कृत सप्ताह के शुभारंभ पर विद्यार्थियों एवं विद्यालय परिवार को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि संस्कृत भारतीय ज्ञान-विज्ञान और संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। नई पीढ़ी को संस्कृत भाषा से जोड़ना अपनी सांस्कृतिक जड़ों को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। संस्कृत सप्ताह के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए विभिन्न भाषायी, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इन गतिविधियों का उद्देश्य विद्यार्थियों में संस्कृत भाषा के प्रति रुचि बढ़ाने के साथ ही उन्हें संस्कृत के व्यावहारिक प्रयोग के लिए प्रेरित करना है। विद्यालय परिवार ने संस्कृत सप्ताह को विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक बनाने का संकल्प लिया।

नेपाल के दुख में सहभागी बना बीएमबीएल स्कूल, पीड़ितों के लिए की मौन प्रार्थना

बहजोई/संभल(सब का सपना):- नेपाल में आई भीषण जल प्रलय से प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए बीएमबीएल जैन वर्ल्ड स्कूल में कैंडल लाइट कॉन्डोलेन्स कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय परिवार और विद्यार्थियों ने मोमबत्तियां जलाकर आपदा में दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि दी तथा शोक संतप्त परिवारों को इस कठिन समय में शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। कार्यक्रम में नेपाल में लापता लोगों के सुरक्षित मिलने और आपदा में घायल लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई। सभी ने मौन प्रार्थना के माध्यम से पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं, जिससे विद्यालय का वातावरण भावुक हो गया। इस अवसर पर चेयरमैन डॉ. पवन कुमार जैन, निदेशक संभव जैन और प्रधानाचार्य राजीव गुप्ता सहित विद्यालय परिवार के सदस्य मौजूद रहे।चेयरमैन डॉ. पवन कुमार जैन ने कहा कि प्राकृतिक आपदा की कोई सीमा नहीं होती और मानवता की संवेदना भी किसी सीमा में बंधी नहीं है। नेपाल में हुई त्रासदी से सभी व्यथित हैं। इस कठिन घड़ी में हमारी संवेदनाएं प्रत्येक पीड़ित परिवार के साथ हैं। उन्होंने दिवंगत आत्माओं की शांति, लापता लोगों की सकुशल वापसी और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की।कार्यक्रम में मोहम्मद शाकिर नागेश कुमार अखिलेश कुमार रुचि गुप्ता शैवाली वार्ष्णेय, मेधावी आर्य गौतम कशिश नव्या गुप्ता दिया अंशु नेत्रपाल सिंह, अक्षय राठौर, प्रीति आर्य, मुस्कान शर्मा, सोनम, चंचल आदि उपस्थित रहे।

भैंस चोरी के मामले में पुलिस ने दो आरोपी किए गिरफ्तार

हजरतनगर गढ़ी/संभल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र में भैंस चोरी के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से पशु चोरी की घटनाओं में संलिप्त लोगों में हड़कंप मच गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में एक आरोपी मुकदमे में वांछित चल रहा था, जबकि दूसरा आरोपी विवेचना के दौरान प्रकाश में आया। पुलिस के अनुसार बुधवार को जनपद के ग्राम छछैरा निवासी पीड़ित असलम पुत्र छोटे ने थाने में तहरीरी सूचना देकर बताया था कि अभियुक्त द्वारा अपने साथी के साथ मिलकर उसकी भैंस चोरी कर ली गई है। पीड़ित की सूचना के आधार पर थाना हजरतनगर गढ़ी पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की।

मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस टीम ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। इसी क्रम में गुरुवार को थाना पुलिस टीम को आरोपियों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिली। सूचना के आधार पर पुलिस ने जमालपुर चौराहे से तिमनपुर की ओर करीब 200 मीटर आगे पहुंचकर घेराबंदी की और मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अखलेश पुत्र महेन्द्र, उम्र करीब 45 वर्ष तथा ब्रहमानंद पुत्र भीमसैन, उम्र करीब 25 वर्ष के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक अखलेश मुकदमे में वांछित चल रहा था, जबकि ब्रहमानंद का नाम विवेचना के दौरान प्रकाश में आया था।

पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले में पुलिस द्वारा आगे की विवेचनात्मक कार्रवाई की जा रही है। थाना पुलिस का कहना है कि अपराध में शामिल अन्य तथ्यों की भी जांच की जा रही है और आवश्यक कार्रवाई साक्ष्यों के आधार पर की जाएगी।

नजीबाबाद में भाजपा कार्यकर्ताओं ने दिखाया उत्साह, सुधीर भुजियार का जन्मदिन धूमधाम से मनाया

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- कोटद्वार रोड स्थित भाजपा के वरिष्ठ नेता अवनीश अग्रवाल के फार्म हाउस पर भाजपा अनुसूचित मोर्चा के जिलाध्यक्ष सुधीर भुजियार के जन्मदिन के अवसर पर बधाई एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने पहुंचकर सुधीर भुजियार को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में सुधीर भुजियार का फूल-मालाओं से स्वागत किया गया। इसके बाद अवनीश अग्रवाल एवं उपस्थित भाजपा पदाधिकारियों ने उनके साथ केक काटकर जन्मदिन मनाया तथा उनके स्वस्थ, दीघार्यु एवं सफल राजनीतिक जीवन की कामना की। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने नजीबाबाद विधानसभा क्षेत्र से अवनीश अग्रवाल की दावेदारी को लेकर भी चर्चा की। वक्ताओं ने कहा कि अवनीश अग्रवाल लंबे समय से क्षेत्र के लोगों के सुख-दुख में शामिल होते रहे हैं और सर्वसमाज में उनकी अच्छी पकड़ है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि यदि पार्टी नेतृत्व उन्हें नजीबाबाद विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी बनाता है तो कार्यकर्ता पूरी ताकत के साथ पार्टी को मजबूत करने के लिए जुटेंगे। समारोह में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भी कार्यकर्ताओं में उत्साह और एकजुटता दिखाई दी। कार्यक्रम के अंत में अवनीश अग्रवाल ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। इसके बाद सभी के लिए जलपान की व्यवस्था की गई।

डीजे लदी टाटा 407 ने फैन्सी हट में मारी टक्कर, सीसीटीवी कैमरा क्षतिग्रस्त

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- कांवड़ ड्यूटी के दौरान अकबराबाद चौराहे पर डीजे लदी टाटा 407 ने चौराहे के बीच बनी फैन्सी हट में टक्कर मार दी। हादसे में हट क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि यातायात विभाग द्वारा लगाए गए पांच सीपी प्लस कंपनी के सीसीटीवी कैमरों में एक कैमरा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। अन्य कैमरों को भी नुकसान पहुंचा है।पुलिसकर्मी कौशलेन्द्र प्रताप सिंह के अनुसार, घटना 23/24 अगस्त की रात करीब 12:30 बजे की है। सूचना पर वह मौके पर पहुंचे तो सफेद रंग की टाटा 407 वहां मिली। आरोप है कि चालक मोनू निवासी उदयपुर कला, थाना डिबाई, बुलंदशहर ने वाहन को तेज गति और लापरवाही से चलाते हुए फैन्सी हट में टक्कर मार दी।आरोप है कि कांवड़ियों की भीड़ का फायदा उठाकर चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। घटना के प्रत्यक्षदर्शी कांस्टेबल यतीश कुमार और रिजर्व कांस्टेबल शिवम चौहान बताए गए हैं। पुलिस ने चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दहेज की मांग पूरी न करने पर विवाहिता से मारपीट, तीन तलाक देने का आरोप

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- एक विवाहिता ने पति समेत ससुराल पक्ष के लोगों पर दहेज में कार और तीन लाख रुपये नकद की मांग को लेकर उत्पीड़न, मारपीट और तीन तलाक देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।मोहल्ला कलालान निवासी आयशा परवीन के अनुसार, करीब डेढ़ वर्ष पूर्व उसका निकाह बढ़ापुर के मोहल्ला नौमी निवासी अलीम पुत्र अब्दुल हय खां के साथ मुस्लिम रीति-रिवाज से हुआ था। आरोप है कि शादी में मायके वालों ने करीब 17 लाख रुपये का सामान और जेवर दिए थे। इसके बावजूद ससुराल पक्ष के लोग कार और तीन लाख रुपये नकद की मांग को लेकर उसका उत्पीड़न करते रहे।पीड़िता का आरोप है कि 21 अगस्त को उसका पति अलीम समेत शहनाज, फराहीन, फहीम, फरहीन, नेहा, गुल्लो और यासमीन उसके मायके पहुंचे और उसके साथ मारपीट की। आरोप है कि इस दौरान एक महिला ने दुपट्टे से उसका गला घोंटने का प्रयास किया।

शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। इसी दौरान अलीम ने उसे तीन बार तलाक कह दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

बैंक खाते से 98,200 रुपये की ऑनलाइन ठगी, रिपोर्ट दर्ज

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- बैंक खाते से बिना अनुमति 98,200 रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर रकम वापस दिलाने और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।मोहल्ला बिश्नोई सराय निवासी दीपांशु बिश्नोई का नैनीताल बैंक की नगीना शाखा में खाता है। पीड़ित के अनुसार, 17 अगस्त को उसके बैंक खाते से बिना अनुमति 98,200 रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिए गए।

इसकी जानकारी होने पर उसने 18 अगस्त को साइबर क्राइम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई।पीड़ित के मुताबिक, उसने 18 अगस्त की सुबह बैंक से अपना खाता डेबिट फ्रीज भी करा दिया था। तहरीर के साथ ऑनलाइन लेनदेन से संबंधित यूपीआई विवरण भी पुलिस को उपलब्ध कराया गया है। पीड़ित ने पुलिस से मामले की जांच कर ठगी की रकम वापस दिलाने तथा दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

बैनामा कराने के बाद जमीन हड़पने का आरोप, डीआईजी के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- एक महिला ने सात लोगों पर धोखाधड़ी कर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर जमीन का बैनामा कराने और बाद में जमीन पर कब्जा न मिलने का आरोप लगाया है। डीआईजी मुरादाबाद के आदेश पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।मोहल्ला बकालान निवासी सिम्मी अग्रवाल पत्नी जितेंद्र मोहन अग्रवाल ने डीआईजी मुरादाबाद को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की थी। शिकायत के अनुसार, नौ सितंबर 2024 को उसने रहमापुर-उसमापुर में 4.50 लाख रुपये में 0.084 हेक्टेयर भूमि का बैनामा कराया था। आरोप है कि बिचौलियों ने करीब एक लाख रुपये कमीशन लेकर जमीन को विवाद रहित बताते हुए सौदा कराया था। पीड़िता के अनुसार, तीन अगस्त 2025 को जब वह जमीन पर खेती करने पहुंची तो वहां किसी अन्य व्यक्ति का कब्जा मिला। साथ ही ऑनलाइन खसरा-खतौनी में भी उसका नाम दर्ज नहीं था। आरोप है कि विरोध करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए धमकी दी। पीड़िता ने रूप सिंह समेत सात लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। डीआईजी के आदेश पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मारपीट में चार लोग घायल, छह के खिलाफ मुकदमा

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- मोहल्ला अकबरान निवासी महबूब ने छह लोगों पर लाठी-डंडों और लात-घूंसों से मारपीट करने तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर छह आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।महबूब के अनुसार, 24 अगस्त की सुबह करीब नौ बजे शबाबुद्दीन, सलाउद्दीन, छोटू, रजाउद्दीन, शाहीन और शन्नी ने उसके साथ मारपीट की। आरोप है कि हमले में महबूब के अलावा फरजाना, नसरीन और अरसलान घायल हो गए। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने जान से मारने की धमकी देते हुए वहां रहना दुश्वार करने की बात कही।तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया है कि आरोपी महिलाओं पर अश्लील टिप्पणी करते हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

नन्हे मुन्ने बच्चों ने एक दूसरे को बांधी राखी, मां भगवती पब्लिक स्कूल में मनाया गया रक्षाबंधन

गुलावठी/बुलंदशहर (सब का सपना):- नगर के मां भगवती पब्लिक स्कूल में रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया गया। इस अवसर पर पहले ध्रुविका, अलिपसा, अलीजा, शनाया, अक्शु, त्रिशा, देवांगना, निमरा, आफिया, अनम, नबिया, शिफा आदि छात्राओं ने घरेलू व्यर्थ सामग्री का सदुपयोग करके अपने हाथों से सुंदर एवं मनमोहक राखियां बनाई, फिर उन्हें लारेब, रूमान, आफियान, अरहम, कबीर, आहद, मून, अंश, काव्यांश व हमाद आदि छात्रों को बांधकर रक्षाबंधन पर्व मनाया। राखी बंधवाकर छात्रों ने छात्राओं को उपहार भी दिए। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या प्राची वर्मा ने कहा कि रक्षाबंधन का त्यौहार सभी भाइयों को अपनी बहनों की सुरक्षा को जिम्मेदारी समझने की प्रेरणा देता है। उन्होंने बच्चों को बताया कि समाज में महिलाओं का सम्मान व सुरक्षा सर्वोपरि होना चाहिए। इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक सचिन वर्मा, शिक्षिका दीप्ति अग्रवाल, निमिषा अग्रवाल, जैनब खान, रुखसार खान आदि ने उपस्थित रहकर बच्चों का उत्साह वर्धन किया।

सरकारी अस्पताल में जच्चा बच्चा के ऑपरेशन की सुविधा शुरू, जनता को मिली राहत

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में शुरू हुआ अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटरः अब नगीना में ही होंगे जच्चा-बच्चा के सुरक्षित ऑपरेशन। पहले दिन ही दो प्रसव सफलतापूर्वक ऑपरेशन किए गए। 27 अगस्त को नगीना व आसपास के क्षेत्रवासियों के लिए एक ऐतिहासिक और सौगात भरा दिन साबित हुआ। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) नगीना पर आज मुख्य चिकित्सा अधिकारी (CMO) बिजनौर द्वारा एक अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर (OT) का विधिवत उद्घाटन किया गया। इस ऐतिहासिक शुरूआत के साथ ही नगीना वासियों को अब सिजेरियन प्रसव (LSCS) और गंभीर चिकित्सा आपातकाल के लिए बड़े शहरों या महंगे निजी अस्पतालों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.कौशलेंद्र सिंह ने उद्घाटन के अवसर पर बताया कि उलउ नगीना पूर्व से ही प्रथम संदर्भन इकाई (FRU) के रूप में स्थापित है। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए अब केंद्र पर ही जच्चा-बच्चा ऑपरेशन (LSCS) की सेवाएं नियमित रूप से शुरू कर दी गई हैं। इसके तहत महिला सर्जन डॉ. सोनिका सिंह और एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. जॉन सिंह द्वारा अपनी विशेषज्ञ सेवाएं प्रदान की जाएंगी। इस व्यवस्था से क्षेत्र की गरीब जनता को निजी अस्पतालों में लगने वाले भारी-भरकम पैसों और आर्थिक मानसिक परेशानी से बड़ी राहत मिलेगी। समारोह के दौरान चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विशाल दिवाकर की कार्यप्रणाली और स्वास्थ्य सुधारों की जमकर प्रशंसा करते हुए अधिकारियों ने कहा कि जब से डॉ. विशाल दिवाकर ने कार्यभार संभाला है, CHC मैं आमजन को सुविधा ही सुविधा मिल रही है। उन्होंने बताया कि सबसे पहले आपातकालीन सेवाओं में व्यापक सुधार करते हुए मरीजों को उचित व त्वरित इलाज उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया गया। इसके अलावा पहले जहां प्रतिमाह केवल 10 से 15 सामान्य प्रसव (डिलीवरी) होते थे, वहीं अब बेहतर सुविधाओं के कारण यह संख्या बढ़कर 250 से 300 प्रसव प्रतिमाह तक पहुंच गई है। जनपद में सर्वाधिक डिलीवरी कराने का रिकॉर्ड भी नगीना सीएचसी के नाम दर्ज हो चुका है। जन औषधि केंद्र खुलवाकर सस्ती दरों पर दवाइयां उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके अलावा अल्ट्रासाउंड के लिए दो केंद्र चिह्नित किए गए हैं, जहां गर्भवती महिलाओं का निःशुल्क अल्ट्रासाउंड किया जा रहा है। नया ऑपरेशन थिएटर शुरू होते ही पहले ही दिन दो प्रसव ऑपरेशन (LSCS) सफलतापूर्वक संपन्न किए गए। ग्राम गाजीपुर साहन सबाहचंद की निवासी मौसमी रानी पत्नी विशाल का पहला सफल प्रसव कराया गया, जिन्होंने एक स्वस्थ बालिका को जन्म दिया। इस प्रसव में एएनएम/आशा सलवा की विशेष भूमिका रही।

इस ऐतिहासिक मौके पर स्टाफ नर्स स्वाति, पूजा, बबीता, मीनाक्षी, फार्मासिस्ट, प्रमोद चौहान आदि गणमान्य सहित समस्त चिकित्सा अधिकारी व स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे। सभी ने सीएचसी नगीना की इस बड़ी उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

महिला थाना पहुँचीं छात्राएँ, पुलिसकर्मियों को बांधी राखी

बिजनौर (सब का सपना):- रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर जाटान की शिक्षिकाएं एवं छात्राएं महिला थाने पहुंचीं। छात्राओं ने प्रभारी निरीक्षक विजय सिरोही, उपनिरीक्षक रमाकांत मिश्रा, कंपनी कमांडर रईस अनवर तथा महिला पुलिसकर्मियों को राखी बांधकर रक्षाबंधन पर्व उत्साहपूर्वक मनाया। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक विजय सिरोही ने छात्राओं को महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने कहा कि छात्राएं किसी अनजान व्यक्ति पर विश्वास न करें और अपरिचित लोगों से उचित दूरी बनाए रखें। किसी भी संदिग्ध परिस्थिति या परेशानी में घबराने के बजाय तत्काल अपने परिजनों अथवा पुलिस हेल्पलाइन की सहायता लें। उन्होंने छात्राओं को आत्मरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि अपनी सुरक्षा को लेकर हमेशा सजग और सतर्क रहें। पुलिसकर्मियों ने छात्राओं को विभिन्न परिस्थितियों में स्वयं को सुरक्षित रखने तथा आवश्यकता पड़ने पर पुलिस से सहायता प्राप्त करने के संबंध में भी जानकारी दी। रक्षाबंधन के अवसर पर पुलिसकर्मियों और छात्राओं के बीच आत्मीयता एवं विश्वास का भाव देखने को मिला। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं में सुरक्षा, जागरूकता और आत्मविश्वास की भावना को मजबूत करना रहा। इस मौके पर सोनू कुमार, अंकुर वर्मा, अमित कुमार, ललिता, डिंपल खन्ना सहित महिला थाने का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

बारिश से धान की फसल को लाभ, गन्ने और खो नदी किनारे खेतों में बढ़ी किसानों की चिंता

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- पिछले तीन दिनों से रुक-रुककर हो रही बारिश धान की फसल के लिए वरदान साबित हो रही है, वहीं तेज हवा और खो नदी का जलस्तर बढ़ने से गन्ने की फसल को नुकसान की आशंका बढ़ गई है। लगातार बारिश के कारण जनजीवन भी प्रभावित हुआ है। बुधवार दोपहर से पहाड़ी और मैदानी क्षेत्रों में रुक-रुककर हो रही बारिश के कारण छोटे-बड़े नदी-नाले और तालाब पानी से लबालब हो गए हैं। खेतों में भी पानी भर गया है। तेज हवा के कारण कई स्थानों पर गन्ने की फसल गिर गई है, जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। हालांकि, बारिश से धान की फसल को पर्याप्त पानी मिलने से किसानों को राहत मिली है। लगातार बारिश के चलते नगीना से उत्तर दिशा में बढ़ापुर मार्ग के पास बहने वाली खो नदी का जलस्तर भी बढ़ गया है। नदी के किनारे भूमि कटान तेज होने से वहां खड़ी गन्ने की फसल को नुकसान हो रहा है। खो नदी के किनारे बसे चमरा वाला, का जीवाला, तुक्मपुर, इस्लामाबाद सहित आधा दर्जन से अधिक गांवों में खेतों की भूमि कटान की चपेट में आ रही है। इससे किसानों की फसल बर्बाद होने का खतरा बढ़ गया है और उनकी चिंता बढ़ती जा रही है।

लगातार बारिश के कारण पशुओं के चारे की समस्या भी उत्पन्न हो गई है। खेतों और रास्तों में पानी भरने के कारण किसान पशुओं के लिए चारा नहीं ला पा रहे हैं। इसके चलते पशुओं के दूध उत्पादन में भी कमी आने की बात सामने आ रही है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, गुरुवार को भी बारिश जारी रहने की संभावना है।

यदि बारिश का सिलसिला आगे भी जारी रहा तो नदी किनारे भूमि कटान और फसलों को होने वाले नुकसान को लेकर किसानों की चिंता और बढ़ सकती है। उधर, पिछले एक सप्ताह से जारी उमस और भीषण गर्मी से परेशान लोगों को बारिश के बाद राहत मिली है। तापमान में गिरावट आने से मौसम ठंडा हो गया है और लोगों ने राहत की सांस ली है।

सांप पकड़ने के प्रयास में व्यक्ति को सांप ने डसा, गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- नगर के मोहल्ला आजाद कॉलोनी में बुधवार देर शाम झाड़ियों से निकलकर घर में घुसे जहरीले सांप को पकड़ने का प्रयास कर रहा एक व्यक्ति सांप के काटने से घायल हो गया। परिजन उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) नगीना लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल बिजनौर रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, कालाखेड़ी रोड स्थित एक मकान के पास झाड़ियों से एक काला सांप निकलकर घर में घुस गया। उसे पकड़ने के प्रयास में 40 वर्षीय सुरेंद्र कुमार पुत्र रामपाल सिंह को सांप ने पैर में काट लिया। सांप के काटने की जानकारी मिलते ही परिजन सुरेंद्र कुमार को सीएचसी नगीना लेकर पहुंचे। सीएचसी में चिकित्सक डॉ. दिव्यांशु, फार्मासिस्ट अनमोल सिंह और वार्ड बॉय मनजीत सिंह की टीम ने तत्काल उपचार शुरू किया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के दौरान पीड़ित को 10 एंटी-स्नेक वेनम (एएसवी) इंजेक्शन लगाए। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल बिजनौर रेफर कर दिया। परिजनों के अनुसार जिला अस्पताल में उपचार के बाद उसकी हालत में सुधार बताया जा रहा है।

समीपुर में गुलदार की आमद से दहशत, आधी रात बकरी पर किया हमला

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के नजीबाबाद ब्लॉक क्षेत्र के गांव समीपुर में गुलदार की लगातार बढ़ रही चहलकदमी से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। बुधवार की रात करीब 12 बजे एक गुलदार गांव निवासी मोहन सिंह के घर के आंगन में घुस आया और वहां बंधी बकरी पर हमला कर दिया। बकरी की आवाज सुनकर मोहन सिंह की आंख खुल गई। सामने गुलदार को देखकर उन्होंने शोर मचाना शुरू कर दिया। शोर सुनकर गुलदार घबरा गया और घायल बकरी को छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए पास के खेतों की ओर भाग गया। ग्राम प्रधान सत्यवीर के अनुसार, पिछले कई दिनों से गांव और आसपास के क्षेत्र में गुलदार की मौजूदगी बनी हुई है। करीब चार दिन पहले भी गुलदार ने गांव के भीतर एक बंदर को अपना शिकार बनाया था। इससे पहले पास स्थित रेडियो स्टेशन की बाउंड्री वॉल पर गुलदार के बैठे होने का वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया था। लगातार गुलदार की मौजूदगी से ग्रामीणों में भय का माहौल है। किसान खेतों पर अकेले जाने से कतरा रहे हैं, जबकि अभिभावकों को स्कूली बच्चों की सुरक्षा की चिंता सता रही है। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में नियमित गश्त बढ़ाने की मांग की है।

क्षेत्रीय वन अधिकारी नजीबाबाद रामकुमार ने बताया कि समीपुर में हुई घटना को गंभीरता से लिया गया है। गुलदार को पकड़ने के लिए घटनास्थल के आसपास पिंजरा लगाया जा रहा है।

साथ ही गुलदार की गतिविधियों और लोकेशन पर नजर रखने के लिए वन विभाग की टीम ड्रोन कैमरों से क्षेत्र की निगरानी करेगी। ग्रामीणों ने मांग की है कि गुलदार के पकड़े जाने तक क्षेत्र में वन विभाग की टीम लगातार गश्त करे, ताकि किसी अप्रिय घटना अथवा जनहानि को रोका जा सके।

13 साल पुराने गोलीकांड में लॉरेंस की साबरमती जेल से चंडीगढ़ में पेशी, गवाह फिर गवाही देने नहीं आया

चंडीगढ़। सेक्टर-10 स्थित डीएवी कॉलेज में वर्ष 2012 में हुई हिंसक झड़प और गोलीकांड मामले में कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के खिलाफ चंडीगढ़ जिला अदालत में केस चल रहा है। इस केस में मंगलवार को सुनवाई थी और इस दौरान लॉरेंस को गुजरात की साबरमती जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया गया। हालांकि इस केस के गवाह एक बार फिर गैरहाजिर रहे। इस केस में शिकायतकर्ता और गवाह काफी समय से अदालत में पेश नहीं हो रहे हैं। उन तक अदालत के समन भी नहीं पहुंच रहे हैं। ऐसे में केस की सुनवाई आगे नहीं बढ़ पा रही है। अदालत ने अब मामले की अगली सुनवाई 21 सितंबर को तय की है। यह मामला 12 जून 2012 का है, जब स्टार नाइट की तैयारियों के दौरान पुसू और सोपू समर्थकों के बीच हिंसक झड़प हुई थी। आरोप है कि लारेंस बिश्नोई और उसके साथियों ने पुसू समर्थकों पर हमला किया और गोली चलाई। घटना में छात्र चरणदेव सिंह को गोली लगी थी। पुलिस ने लारेंस समेत पांच आरोपितों पर हत्या के प्रयास सहित कई धाराओं में केस दर्ज किया था। वर्ष 2014 में साक्ष्यों के अभाव में चार आरोपित बरी हो चुके हैं, जबकि लॉरेंस के खिलाफ सुनवाई जारी है।

जालंधर में लगा प्याज का लंगर, कांग्रेस ने महंगाई को लेकर केंद्र को घेरा

जालंधर। बढ़ती महंगाई के खिलाफ सीनियर कांग्रेस नेता एवं पार्षद डॉ. जसलीन सेठी ने पार्टी कार्यकताओं के साथ मास्टर तारा सिंह नगर मार्केट में ह्यप्याज का लंगरह्न लगाया। यह प्रदर्शन केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों और पंजाब सरकार की निष्क्रियता के खिलाफ किया गया, जिसमें लोगों को प्याज वितरित कर महंगाई को लेकर जागरूक किया। इस मौके पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजिंदर बेरी और कई कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। डॉ. जसलीन सेठी ने कहा कि देश में महंगाई लगातार बढ़ रही है, जिससे रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुएं आम आदमी की पहुंच से बाहर हो रही हैं। प्याज भी अब लोगों की खरीद से बाहर होता जा रहा है। चीनी के दाम पहले ही 70 प्रतिशत तक बढ़ चुके हैं। केंद्र सरकार महंगाई पर काबू पाने में नाकाम रही है, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों का जीवन यापन कठिन हो गया है। डॉ. सेठी ने कहा कि 10-20 रुपये किलो बिकने वाला प्याज आज 60-70 रुपये में बिक रहा है। केंद्र और पंजाब सरकार महंगाई पर नियंत्रण नहीं रख पा रही हैं। रसोई गैस, दाल, सब्जियां और रोजमर्रा की जरूरत का हर सामान लगातार महंगा होता जा रहा है। जिला कांग्रेस प्रधान राजिंदर बेरी ने कहा कि महंगाई के लिए केंद्र और पंजाब सरकार जिम्मेदार हैं। उन्होंने बताया कि जल्द ही जिला कांग्रेस की तरफ से चीनी का लंगर भी लगाया जाएगा। डॉ. जसलीन सेठी की पहल की सराहना करते हुए उन्होंने महंगाई की मार पर चिंता व्यक्त की। इस मौके पर कांग्रेस नेता किशन लाल मलिक, योगेश हांडा, बिल्ला, सुरिंदर सिंह, कीमती सैनी, जसबीर सिंह, यशपाल, विक्की बांगड़, अनु गुप्ता और पल्लवी समेत अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

जालंधर की फैक्ट्री में हादसा, मशीन की चपेट में आई महिला की मौत; पुलिस ने शुरू की जांच

जालंधर। जालंधर के धोगड़ी रोड स्थित गांव नूरपुर में एक फैक्ट्री में वीरवार दोपहर काम करने के दौरान मशीन की चपेट में आने से महिला की मौत हो गई। हादसे के बाद फैक्ट्री में अफरातफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। मृतका की पहचान सलेमपुर निवासी अर्चना के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि अर्चना फैक्ट्री में काम कर रही थी। इसी दौरान वह मशीन की चपेट में आ गई

और गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद उसकी मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों के अनुसार अर्चना फैक्ट्री में करीब तीन महीने से काम कर रही थी। उसके पति दुगार्नंद ने बताया कि उन्होंने ही करीब तीन महीने पहले अर्चना को फैक्ट्री में काम पर लगवाया था। फैक्ट्री में नट-बोल्ट तैयार किए जाते हैं। बिना सुरक्षा किट काम करवाने का आरोप परिजनों और स्थानीय लोगों का आरोप है कि अर्चना बिना सुरक्षा किट के मशीन पर काम कर रही थी। हालांकि हादसा किन परिस्थितियों में हुआ और सुरक्षा संबंधी नियमों का पालन किया जा रहा था या नहीं, इसकी पुलिस जांच कर रही है।

घटना के बाद फैक्ट्री संचालकों द्वारा गेट अंदर से बंद किए जाने की बात भी सामने आई है। पुलिस ने जांच की शुरू इससे मौके पर मौजूद लोगों में रोष फैल गया। हादसे की जानकारी मिलने के बाद फैक्ट्री के बाहर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। पुलिस के अनुसार मामले की जांच की जा रही है। महिला की मौत के वास्तविक कारण और हादसे की परिस्थितियों का पता जांच पूरी होने के बाद ही चल सकेगा। पुलिस फैक्ट्री में मौजूद लोगों से पूछताछ कर रही है और घटना से जुड़े तथ्यों को जुटाया जा रहा है।

सीएम मान ने निभाया भाई का फर्ज, 'मावां-धीयां सत्कार योजना' से 75 लाख महिलाओं को मिला रक्षाबंधन का गिफ्ट

चंडीगढ़। राखी के त्यौहार पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज 1.37 लाख सत्कार सखियों को 52.20 करोड़ रुपए की सम्मान राशि ट्रांसफर कर भाई का फर्ज निभाया। इसके साथ ही उन्होंने पूरे पंजाब की महिलाओं तक मुख्यमंत्री मावां-धीयां सत्कार योजना पहुंचाने में सत्कार सखियों के अथक योगदान की भरपूर सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सत्कार सखियों के प्रयासों की बदौलत ही इस योजना के तहत 75 लाख से अधिक महिलाओं का पंजीकरण संभव हो सका है और योग्य लाभार्थियों के बैंक खातों में सम्मान राशि पहुँचना सुनिश्चित हुआ है। इस पहल का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि अब तक इस योजना के तहत 76.11 लाख महिलाओं का पंजीकरण हो चुका है, जिनमें से 68.06 लाख महिलाओं के खातों में 2,381 करोड़ रुपए पहले ही ट्रांसफर किए जा चुके हैं। उनकी सरकार ने इस योजना से एक करोड़ महिलाओं को जोड़ने का लक्ष्य रखा है, जबकि सत्कार सखियों को प्रत्येक पंजीकरण के लिए 300 रुपए मिलेंगे, जिससे वे इस पहल के माध्यम से 200 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई कर सकेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं के कल्याण के लिए पंजाब सरकार की प्रतिबद्धता दृढ़ रहेगी और जब तक पंजाब में आप सरकार है, मुख्यमंत्री मावां-धीयां सत्कार योजना बंद नहीं होगी। इस दौरान आप पंजाब महिला विंग की अध्यक्ष एवं विधायक डॉ. अमनदीप कौर, विधायक डॉ. जीवनजोत कौर, विधायक इंद्रजीत कौर तथा कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा और हरभजन सिंह ई.टी.ओ. भी मौजूद थे। एक्स पर जानकारी साझा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने लिखाः राखी के पवित्र त्यौहार पर हमारी सरकार बहनों से किए वादे को पूरा कर रही है। आज मैंने गोइंदवाल साहिब में सत्कार सखी सम्मान समारोह में वर्चुअल रूप से शिरकत की। ह्यमावां-धीयां सत्कार योजनाह्न के तहत 75 लाख से अधिक महिलाओं के खातों में ह्यसम्मान राशि भेजी जा रही है। उन सभी सत्कार सखियों का तहे दिल से धन्यवाद जिन्होंने जरूरतमंद परिवारों के पंजीकरण और फॉर्म भरने में मदद की। इस नेक सेवा के लिए आपका नाम इतिहास में दर्ज होगा। इस व्यापक सरकारी योजना को घर-घर पहुंचाने और महिलाओं के बैंक खातों में सम्मान राशि पहुंचाने के लिए सभी सत्कार सखियों को बहुत-बहुत मुबारकबाद और दिल से धन्यवाद। सत्कार सखियों को सम्मान राशि देने के लिए आयोजित समारोह के दौरान सभा को वर्चुअल रूप से संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि उनकी सरकार ने राखी के त्यौहार पर पहली किस्त जारी कर महिला लाभार्थियों को रखी का विशेष तोहफा दिया है। उन्होंने कहा, हमारी

सरकार ने महिलाओं के मान-सम्मान में मुख्यमंत्री मावां-धीयह सत्कार योजना शुरू की है। मैं बाकी बची सभी योग्य महिलाओं से अपील करता हूं कि वे इस योजना के तहत अपना पंजीकरण करवाएं और इसका लाभ उठाएं। मुख्यमंत्री ने बताया, 18 साल से अधिक उम्र की महिला लाभार्थियों को 1,000 रुपए की वित्तीय सहायता के मोबाइल संदेश मिल रहे हैं, जबकि अनुसूचित जाति समुदाय की महिलाओं को 1,500 रुपए मिल रहे हैं। यह सहायता राशि सीधे उनके बैंक खातों में भेजी जा रही है और पंजाब की 97 प्रतिशत महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलने की उम्मीद है। राज्य सरकार ने इस पहल के लिए बजट में 9,300 करोड़ रुपए रखे हैं। उन्होंने कहा, यह वित्तीय सहायता शायद महिलाओं को अमीर तो न बनाए, लेकिन यह उन्हें मान-सम्मान और स्वाभिमान जरूर देगी। महिलाएं सबसे अधिक सम्मान की हकदार हैं और मां-बहनों के आशीर्वाद दुनिया की हर चुनौती पर जीत हासिल करने में मदद कर सकते हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि परिवार के कल्याण, लैंगिक समानता को बढ़ावा देने और सामाजिक एवं आर्थिक फैसले लेने में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए उनकी वित्तीय आजादी को मजबूत करना बहुत जरूरी है। उन्होंने आगे कहा, हमारी सरकार महिलाओं के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जाएगी। राखी के त्यौहार पर मुख्यमंत्री ने कहा, मैंने 1.37 लाख सत्कार सखियों को 52.20 करोड़ रुपए ट्रांसफर कर भाई का फर्ज निभाया है। ह्यमुख्यमंत्री मावां-धीयां सत्कार योजना को बड़ी सफलता दिलाने में सत्कार सखियों ने अहम भूमिका निभाई है, क्योंकि उनके सुहृदय प्रयासों से ही 75 लाख से अधिक महिलाओं का पंजीकरण संभव हुआ है। उन्होंने आगे कहा, सत्कार सखियों ने इस योजना को पूरे पंजाब की महिलाओं तक पहुंचाने में बहुत बड़ा योगदान दिया है। उनकी मेहनत की बदौलत ही 75 लाख से अधिक महिलाएं मुख्यमंत्री मावां-धीयां सत्कार योजना से जुड़ सकी हैं।ह्न मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने बताया कि सत्कार सखियों को प्रत्येक पंजीकरण के लिए 300 रुपए मिलेंगे और 100 रुपए प्रति पंजीकरण के हिसाब से 52.20 करोड़ रुपए की पहली किस्त जारी की जा चुकी है। उन्होंने कहा, हमारी सरकार ने एक करोड़ महिलाओं को योजना से जोड़ने का लक्ष्य रखा है। सत्कार सखियह इस पहल के माध्यम से 200 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई करेंगी।

मुख्यमंत्री ने नोट किया, अब तक पंजीकृत 76.11 लाख महिलाओं में से 68.06 लाख महिलाओं के खातों में 2,381 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता भेजी जा चुकी है। यह देश की इकलौती ऐसी योजना है जो 18 साल से अधिक उम्र की हर महिला को बिना किसी शर्त के मान-भत्ता देती है। उन्होंने कहा कि जब तक पंजाब में आप सरकार है, मुख्यमंत्री मा वां-धीयां सत्कार योजना जैसी कल्याणकारी पहल बंद नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने कहा, जिन घरों में 3,000 से 4,500 रुपए पहले ही पहुंच चुके हैं, वहां सत्कार सखियों और महिला लाभार्थियों के बीच विश्वास का रिश्ता बन गया है।

यह रिश्ता तब और मजबूत होगा, जब रखी पर नई किस्त जारी होने से लाभार्थियों के फोनों पर फिर संदेश आएंगे। मुझे उम्मीद है कि महिलाएं इस पैसे का इस्तेमाल समझदारी से नए कपड़े खरीदने, दवाइयां लेने या कर्ज चुकाने के लिए करेंगी। मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि इस पैसे का सही इस्तेमाल हो रहा है।

80 लाख का क्या है खेल? वायरल ऑडियो से चंडीगढ़ में भाजपा नेतृत्व पर उठे सवाल, कांग्रेस ने मांगा जवाब

चंडीगढ़। 80 लाख रुपये के कथित लेनदेन से जुड़े वायरल ऑडियो को लेकर भाजपा नेतृत्व पर सवाल उठे हैं। इस मुद्दे पर कांग्रेस ने भी जवाब मांगा है। कांग्रेस के पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी के सदस्य चंद्रमुखी शर्मा ने कहा कि ऑडियो में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष देवेंद्र सिंह बबला की आवाज होने की बात सामने आने के बाद पार्टी अध्यक्ष जितेंद्र पाल मल्होत्रा को पूरे मामले पर जवाब देना चाहिए। चंद्रमुखी शर्मा ने आरोप लगाया कि बबला पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष हैं और उन्हें पार्टी अध्यक्ष की मौजूदगी में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है। ऐसे में भाजपा नेतृत्व इस मामले से पल्ला नहीं झाड़ सकता। उन्होंने दावा किया कि ऑडियो में 80 लाख रुपये या किसी अन्य राशि को लेकर बातचीत सुनाई दे रही है। उन्होंने पूछा कि कारतूस की कीमत 80 लाख रुपये कैसे हो सकती है

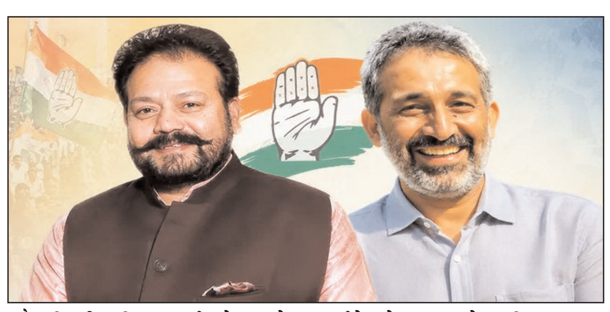

और किसी महिला पार्षद के आने जाने का कारतूस के मामले से क्या संबंध है। उन्होंने प्रशासक से मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग करते हुए कहा कि केवल आवाज के नमूने की जांच पर्याप्त नहीं है। कथित लेनदेन से जुड़े बैंक खातों, काल डिटेल रिकॉर्ड और पैसों के लेनदेन की भी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जांच पूरी होने तक संबंधित नेताओं पर पार्टी स्तर पर कार्रवाई की जानी चाहिए। चंद्रमुखी शर्मा ने आरोप लगाया कि मेयर चुनाव से पहले पार्षदों को भाजपा में शामिल कराना भी राजनीतिक खरीद-फरोख्त का हिस्सा था। हालांकि, इन आरोपों पर भाजपा की ओर से कोई पक्ष इस बयान में उपलब्ध नहीं कराया गया है। उन्होंने पूछा कि अगर यह राशि किसी अन्य उद्देश्य के लिए थी तो उसका पूरा विवरण सार्वजनिक किया जाना चाहिए।

कांग्रेस नेता ने बबला की ओर से कथित तौर पर आडियो को कारतूस के रेट से जोड़ने के स्पष्टीकरण पर भी सवाल उठाए।

पंजाब में बिना छुट्टी हड़ताल पर गए कर्मचारियों पर गिरेगी गाज, सरकार ने मांगी सूची

चंडीगढ़। पंजाब में सरकारी कर्मचारियों की सामूहिक छुट्टी के बीच अब बिना अनुमति ड्यूटी से अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों पर कार्रवाई की तलवार लटक गई है। पंजाब सरकार के पर्सोनल विभाग ने सभी स्पेशल चीफ सेक्रेटरी और अतिरिक्त चीफ सेक्रेटरी को पत्र जारी कर ऐसे कर्मचारियों की सूची गुरुवार शाम तक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। गुरुवार को पंजाब के विभिन्न सरकारी विभागों, कार्यालयों, बोर्डों, शैक्षणिक संस्थानों समेत चंडीगढ़ स्थित पंजाब सरकार के अधिकतर कार्यालयों में कर्मचारी सामूहिक अवकाश पर रहे। कर्मचारियों ने अपने कार्यालयों में पंजाब सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों

को लेकर प्रदर्शन किया। पंजाब सचिवालय में भी कर्मचारी नेताओं के नेतृत्व में सरकार के खिलाफ नारे लगाए गए। बड़ी संख्या में कर्मचारियों के हड़ताल पर रहने से सरकारी कार्यालयों में कामकाज प्रभावित रहा।

पर्सोनल विभाग ने अपने पत्र में कहा है कि गैरकानूनी तरीके से ड्यूटी से गैरहाजिर कर्मचारियों के कारण आम जनता को परेशानी का सामना करना पड़ा। विभाग ने सभी प्रशासनिक विभागों से अनुपस्थित कर्मचारियों की सूची तैयार कर भेजने को कहा है। साथ ही स्पष्ट किया गया है

कि बिना स्वीकृत छुट्टी के ड्यूटी से गैरहाजिर रहने वाले कर्मचारियों के खिलाफ नियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

शादी-ब्याह के लिए सोना खरीदने का मौका, चंडीगढ़ में एक दिन में 3700 रुपये लुढ़का 24 कैरेट गोल्ड

चंडीगढ़। लगातार रिकॉर्ड स्तर के आसपास कारोबार कर रहे सोने के भाव में वीरवार को अचानक बड़ी गिरावट आ गई। 24 कैरेट सोना एक ही दिन में 3,700 रुपये प्रति 10 ग्राम टूट गया। विश्व बाजार में सोने की कीमतों में दबाव, डालर की चाल और निवेशकों की गतिविधियों में बदलाव का असर घरेलू सराफा बाजार पर भी दिखाई दिया। सोने के भाव में आई इस गिरावट से शादी-ब्याह और त्योहारी खरीदारी की तैयारी कर रहे लोगों को कुछ राहत मिली है। ज्वेलर एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव सहदेव के अनुसार बुधवार को 24 कैरेट सोना 1,66,700 रुपये प्रति 10 ग्राम था, जो घटकर वीरवार को 1,63,000 रुपये रह गया। 22

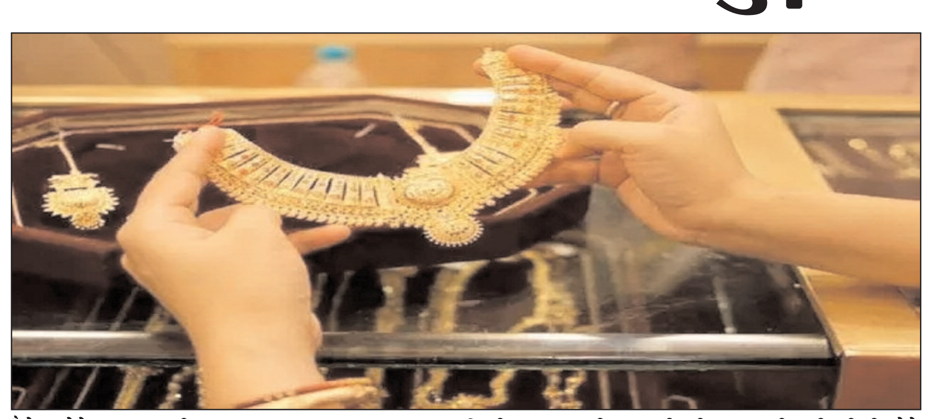

कैरेट सोने का भाव भी 1,53,300 रुपये से गिरकर 1,49,900 रुपये हो गया। 18 कैरेट सोना 1,27,100 रुपये से घटकर 1,24,200 रुपये और 14 कैरेट सोना 1,00,300 रुपये से गिरकर 98,100 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया।गिन्नी का भाव भी 1,27,000 रुपये से गिरकर 1,24,000 रुपये हो गया। प्लेट सोने में भी 3,500 रुपये की कमी आई और इसका भाव 1,66,400 रुपये से घटकर 1,62,900 रुपये रह गया। चांदी की चमक भी पड़ी फीकी सोने के साथ चांदी के भाव में भी गिरावट दर्ज हुई। 26 अगस्त को चांदी 254 रुपये थी, जो 27 अगस्त को घटकर 247 रुपये रह गई। चांदी के सिक्के का भाव भी 2,900 रुपये से कम होकर 2,800 रुपये रह गया। खरीदार बोले–गिरावट का इंतजार था सोने के भाव में अचानक आई गिरावट से खरीदारों के चेहरे पर राहत नजर आई। शादी के लिए आभूषण खरीदने पहुंचे लोगों का कहना था कि पिछले कुछ समय से जिस तरह सोने के भाव लगातार बढ़ रहे थे, उससे बजट बिगड़ रहा था। एक खरीदार ने कहा कि ह्लअगर भाव में और गिरावट आती है तो शादी की खरीदारी के लिए यह अच्छा मौका होगा। अभी जरूरत का सामान खरीदेंगे, लेकिन पूरा बजट एक साथ खर्च करने से बचेंगे।ह्व एक अन्य खरीदार ने कहा कि सोना काफी महंगा हो चुका है, इसलिए कुछ हजार रुपये की गिरावट भी बड़ी खरीदारी में अच्छा अंतर डालती है। हालांकि कई ग्राहक यह भी मान रहे हैं कि अगर अंतरराष्ट्रीय बाजार में दबाव जारी रहा तो आने वाले दिनों में भाव और नीचे आ सकते हैं, इसलिए वे बड़ी खरीदारी के लिए एक-दो दिन बाजार की दिशा देखने के पक्ष में हैं।

छह दिन में ऐसे बदला भाव 21 अगस्त को 24 कैरेट सोना 1,64,000 रुपये था। 22 अगस्त को यह बढ़कर 1,66,100 रुपये और 24 अगस्त को 1,66,800 रुपये पहुंच गया। 25 अगस्त को भी भाव इसी स्तर पर रहा। 26 अगस्त को मामूली गिरावट के बाद यह 1,66,700 रुपये था, लेकिन 27 अगस्त को अचानक 1,63,000 रुपये पर आ गया।

जालंधर में हड़ताल के बीच बवाल, कर्मचारियों और पुलिस में धक्कामुक्की; रैली रोकने पर दीवार फांदकर निकले

जालंधर। अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे सरकारी कर्मचारियों और पुलिस के बीच गुरुवार को जालंधर में तीखी धक्कामुक्की हो गई। कर्मचारी सड़क जाम करने के लिए आगे बढ़ रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इस दौरान दोनों पक्षों में काफी देर तक खींचतान होती रही। कर्मचारियों ने पहले उपायुक्त कार्यालय परिसर में हड़ताल कर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद कर्मचारियों ने उपायुक्त कार्यालय से बीएमसी चौक तक रैली निकालने का ऐलान किया। जैसे ही कर्मचारी रैली के लिए मुख्य गेट से बाहर निकलने लगे, पुलिस ने बैरिकेड लगाकर रास्ता रोक दिया। जालंधर। अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे सरकारी कर्मचारियों और पुलिस के बीच गुरुवार को जालंधर में तीखी धक्कामुक्की हो गई। कर्मचारी सड़क जाम करने के लिए आगे बढ़ रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इस दौरान दोनों पक्षों में काफी देर तक खींचतान होती रही। कर्मचारियों ने पहले उपायुक्त कार्यालय परिसर में

हड़ताल कर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद कर्मचारियों ने उपायुक्त कार्यालय से बीएमसी चौक तक रैली निकालने का ऐलान किया। जैसे ही कर्मचारी रैली के लिए मुख्य गेट से बाहर निकलने लगे, पुलिस ने बैरिकेड लगाकर रास्ता रोक दिया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि वे अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से रैली निकालना चाहते थे, जबकि पुलिस उन्हें सड़क पर जाने से रोक रही थी। काफी देर तक मौके पर तनाव की स्थिति बनी रही। मुख्यमंत्री से नहीं हो पाई कर्मचारियों की बैठक इसी बीच कर्मचारी यूनियन के प्रधान मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ बैठक करने के लिए गए थे। हालांकि, मुख्यमंत्री के साथ कर्मचारियों की बातचीत नहीं हो सकी। मुख्यमंत्री ने हड़ताल खत्म होने के बाद ही बैठक करने की बात कही थी। मुख्यमंत्री से बैठक नहीं होने की सूचना जब प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों तक पहुंची तो वे वापस उपायुक्त कार्यालय परिसर में लौट आए। इसके बाद कर्मचारियों ने परिसर में ही अपना प्रदर्शन जारी रखा। कर्मचारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर सरकार की ओर से ठोस फैसला नहीं लिया जाता, उनका आंदोलन जारी रहेगा।

जानकारी

जौ का पानी पीने के ये पांच फायदे

हर रोज जौ का पानी पीने से एक ओर जहां स्वास्थ्य से जुड़ी बहुत सी समस्याएं दूर हो जाती हैं, वहीं कई बीमारियों के होने का खतरा भी बहुत कम हो जाता है।

जौ में विटामिन बी-कॉम्प्लेक्स, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, मैगनीज, सेलेनियम, जिंक, कॉपर, प्रोटीन, अमीनो एसिड, डायट्री फाइबर्स और कई तरह के एंटी-ऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। जौ एक बहुत ही फायदेमंद अनाज है। आप चाहे तो इसे अपने रोज के आहार में शामिल कर सकते हैं या फिर एक औषधि के रूप में भी ले सकते हैं।

हर रोज जौ का पानी पीने से एक ओर जहां स्वास्थ्य से जुड़ी बहुत सी समस्याएं दूर हो जाती हैं, वहीं कई बीमारियों के होने का खतरा भी बहुत कम हो जाता है। इसके साथ ही ये शरीर को स्वस्थ रखने में भी बहुत कारगर होता है। कई लोग जौ को भाप द्वारा पकाकर भी इस्तेमाल करते हैं, परंतु जौ का पानी स्वास्थ्य के लिए सबसे अधिक फायदेमंद होता है।

जौ का पानी तैयार करने के लिए कुछ मात्रा में जौ ले लीजिए और उसे अच्छी तरह साफ कर लीजिए। उसके बाद इसे करीब चार घंटे तक पानी में भिंगोकर छोड़ दीजिए। उसके बाद इस पानी को तीन से चार कप पानी में मिलाकर उबाल लीजिए। पर इसे धीमी आंच पर ही उबलने दें।

लगभग 45 मिनट बाद गैस बंद कर दीजिए और इस पानी को ठंडा होने दीजिए। जब ये ठंडा हो जाए तो इसे एक बोतल में भर लीजिए और दिनभर एक से दो गिलास पीते रहें।

जौ के पानी पीने के फायदे

- अगर आपको यूरीन से जुड़ी कोई समस्या है तो जौ का पानी आपके लिए बहुत फायदेमंद होगा। इसके अलावा किडनी से जुड़ी ज्यादातर समस्याओं में भी जौ का पानी बहुत कारगर होता है।
- अगर आप वजन घटाने के लिए प्रयास कर रहे हैं और लाख कोशिश के बावजूद आपका वजन कम नहीं हो पा रहा है तो जौ का पानी आपके लिए रामबाण साबित हो सकता है।
- ब्लड कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने के लिए भी जौ का पानी बहुत फायदेमंद होता है। कोलेस्ट्रॉल लेवल कम होने की वजह से दिल से जुड़ी कई तरह की समस्याएं होने का खतरा कम हो जाता है। इससे दिल भी स्वस्थ रहता है।
- मधुमेह के रोगियों के लिए जौ का पानी बहुत फायदेमंद होता है। ये शरीर में शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में बहुत सहायक होता है।
- जौ का पानी पीने से शरीर के भीतर मौजूद विषाक्त पदार्थ बाहर निकल जाते हैं, जिससे चेहरे पर भी निखार आता है। इसके साथ ही ये इम्यून सिस्टम को भी बेहतर बनाए रखता है।

स्टीम/सॉना बाथ के फायदे और नुकसान

जिम हो या फिर स्पा बिना स्टीम बाथ और सॉना बाथ के अधूरे हैं। ऐसा माना जाता है कि स्टीम बाथ का इतिहास प्राचीन रोमन सभ्यता से जुड़ा हुआ है, जहां से इसकी शुरुआत हुई थी। प्राचीन काल में रोमन वासियों ने कई प्रकार की शारीरिक समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए इस तकनीक को ईजाद किया था।

स्टीम/सॉना बाथ क्या है?

स्टीम बाथ, जैसा की नाम से पता चल रहा है कि भाप के जरिए स्नान करना। यह एक प्रकार का खास स्नान है, जिसमें पानी की जगह पानी की भाप से नहाया जाता है। इसमें सबसे पहले एक कमरे को भाप से लगभग 110 से 114 डिग्री फेरेनहाइट तापमान पर किया जाता है। लोग इस भाप वाले कमरे में कुछ समय के लिए रुक कर भाप के माध्यम से स्नान करते हैं, अर्थात पूरे शरीर की भाप से सिकाई की जाती है। इसलिए, इसे स्टीम बाथ कहते हैं। वहीं, सॉना बाथ में कमरे का तापमान 80 से 90 डिग्री सेल्सियस तक होता है, जिससे पसीने के माध्यम से हानिकारक पदार्थ शरीर से निकल जाते हैं। इसे 5 से लेकर 20 मिनट तक 1 से 3 बार दोहराया जा सकता है।

स्टीम/सॉना बाथ के फायदे

जो लोग स्टीम बाथ या सॉना बाथ लेते हैं, उन्हें भी नहीं मालूम होगा कि वो कितने फायदों का लाभ ले रहे हैं। यहां हम स्टीम बाथ और सॉना बाथ कुछ प्रमुख फायदों का जिक्र कर रहे हैं।

वजन कम करने के लिए स्टीम बाथ लेने के फायदे

क्या आप सोच सकते हैं कि नहाने से वजन कम हो सकता है। नहीं न, तो हम आपको बता दें कि स्टीम या सॉना बाथ लेने से आप अपना वजन कम कर सकते हैं। यह अतिरिक्त कैलोरी को बर्न करने में आपकी मदद करता है, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती हैं। आप सॉना बाथ के लगभग 30 मिनट के सेशन में लगभग 600 कैलोरी तक बर्न कर सकते हैं। कैलोरी बर्न होने से आपके शरीर की अतिरिक्तचर्बी कम हो जाती है और आप अपने वजन में कमी महसूस कर सकते हैं।

रक्त संचार के लिए सॉना बाथ के फायदे

रक्त संचार में सुधार के लिए सॉना या स्टीम बाथ आदर्श तरीके हो सकते हैं। दरअसल, जब आप स्टीम या सॉना बाथ लेने के लिए स्टीम बाथरूम में बैठते हैं, तो शरीर की रक्त वाहिकाएं फैल जाती हैं, जिससे रक्तचाप और पल्स रेट कम हो जाता है, जिससे शरीर में रक्त संचार में सुधार हो सकता है। हालांकि, इस पर अभी और शोध की आवश्यकता है ।

जोड़ों की अकड़न को दूर करने के लिए स्टीम बाथ लेने के फायदे

अगर आप जिम करके आ रहे हैं और जिम के दौरान मांसपेशियों और जोड़ों की अकड़न को दूर करना चाहते हैं, तो स्टीम या सॉना बॉथ आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। ये आपकी मांसपेशियों को रिलैक्स करता है। साथ ही जोड़ों की अकड़न और दर्द में भी राहत प्रदान कर सकता है ।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को ठीक करने के लिए सॉना बाथ के फायदे

आपको जानकर हैरानी होगी कि स्टीम या सॉना बाथ आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को सुधारने में भी आपकी मदद करता है। स्टीम बाथ या सॉना बाथ लेने से शरीर का तापमान बढ़ जाता है। इससे मोनोसाइट्स (एक प्रकार की सफेद रक्त कोशिका) की गतिविधि बढ़ जाती है। ये कोशिकाएं बैक्टीरिया को खत्म करने और मृत ऊतकों को हटाने में मदद करती हैं। इसके अलावा, ये कोशिकाओं के विकास में भी भूमिका अदा करती हैं। मोनोसाइट्स और न्यूट्रोफिल (सफेद रक्त कोशिका के प्रकार) हानिकारक सूक्ष्म जीवों से शरीर की रक्षा करने में मदद करने के साथ ही प्रतिरक्षा प्रणाली में सुधार करते हैं।

तनाव को दूर करने के लिए स्टीम बाथ लेने के फायदे

अगर आप किसी काम को लेकर तनाव ग्रस्त हैं, तो कुछ देर के लिए स्टीम बाथ या सॉना बाथ ले सकते हैं। ये खास स्नान आपके तनाव को दूर करने में आपकी मदद करेंगे। ये दोनों बाथ आपकी बॉडी को रिलैक्स करने के साथ ही शरीर के ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को दूर करने में आपकी मदद कर सकते हैं। इसके साथ ही इस स्नान से चिंता और अवसाद में कमी आती है, जिससे अच्छी नींद लेने में मदद मिलती है।

रक्तचाप को कम करने में मदद करता है

रक्तचाप की समस्या को दूर करने के लिए स्टीम बाथ बेहतर विकल्प हो सकता है। जब आप स्टीम बाथ लेते हैं, तो शरीर का तापमान बढ़ने लगता है। इससे सभी रक्त वाहिकाएं फैल जाती हैं और रक्त वाहिकाओं के फैलने से रक्तचाप कम हो जाता है ।

त्वचा के लिए सॉना बाथ के फायदे

आपको जानकर आश्चर्य होगा कि स्टीम बाथ आपकी त्वचा के लिए कितना फायदेमंद हो सकता है। स्टीम बाथ लेने से त्वचा के पोर्स खुल जाते हैं, जिनसे पसीना निकलता है। पसीने के साथ ही त्वचा को नुकसान पहुंचाने वाले हानिकारक बैक्टीरिया भी बाहर निकल जाते हैं। इसके अलावा, ये विषाक्त पदार्थ को भी त्वचा से अलग करने में आपकी मदद करते हैं।

स्टीम/सॉना बाथ के नुकसान

सावधानीपूर्वक लिया जाने वाला स्टीम या सॉना बॉथ फायदेमंद होता है, लेकिन लापरवाही बरतने पर नुकसानदायक भी साबित हो सकता है।

- स्टीम या सॉना बाथ लेने से पहले एक बात जरूर ध्यान रखें कि ज्यादा देर तक बाथ लेने से गर्म तापमान के कारण आपकी त्वचा जल सकती है और फफोले पड़ सकते हैं।
- अल्कोहल का सेवन करने के बाद आपको स्टीम या सॉना बाथ नहीं लेना चाहिए, इससे आपका रक्तचाप बढ़ सकता है, जो आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है।
- हृदय और उच्च रक्तचाप की समस्या से पीड़ित व्यक्तियों के लिए भी ये बाथ नुकसानदायक हो सकते हैं। इससे हृदय गति बढ़ सकती है, जिससे गंभीर स्थिति पैदा हो सकती है।
- अगर आप गर्भवती हैं, तो ध्यान रहे कि अधिक समय तक लिया हुआ स्टीम या सॉना बाथ आपके और आपके गर्भस्थ शिशु के लिए नुकसानदायक हो सकता है।
- स्टीम या सॉना बाथ लेने से पहले आप अपने नाजुक अंगों को तौलिए से ढक कर रखें, नहीं तो वहां की त्वचा पर फफोले होने की समस्या हो सकती है।
- बाथ के दौरान अन्य लोगों के तौलिए और साबुन का उपयोग करने से संक्रमण का खतरा हो सकता है।
- स्टीम बाथ में ज्यादा देर तक बैठने या फिर दिए गए निर्देशों के पालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बरतने पर त्वचा संक्रमण की समस्या हो सकती है। कुछ गंभीर मामलों में तो मृत्यु तक हो सकती है।

सेहत

ओवर एक्टिव थायरॉइड में क्या खाएं क्या न खाए?

हाइपरथाइरॉयडिज्म वह स्थिति होती है, जिसमे थायरॉइड ग्रंथि ओवर एक्टिव हो जाती है। इसके कारण हार्मोन का स्राव अधिक होता है। इसका असर मेटाबॉलिज्म के स्तर पर पड़ता है। इसमें थायरॉक्सिन हार्मोन ज्यादा बनने के कारण वजन कम होने लगता है। इतना ही नहीं शरीर का तापमान सामान्य से अधिक हो जाता है, अनिद्रा, उत्तेजना, घबराहट और चिड़चिड़ापन जैसे समस्याएं शुरू हो जाती हैं। हाइपरथाइरॉयडिज्म में डायबिटीज होने की संभावना भी बढ़ जाती है। हाइपरथाइरॉयडिज्म (ओवरएक्टिव थायरॉइड ग्लैंड) को सामान्य बनाने में खान-पान की बहुत बड़ी भूमिका होती है। आइए हम आपको बताते हैं कि हाइपरथाइरॉयडिज्म में आपको कैसा आहार लेना चाहिए।

हाइपरथाइरॉयडिज्म में क्या खाएं?

हाइपरथाइरॉयडिज्म में ऐसे खाद्य पदार्थ जो आसानी से पच जाते हों उनको खा सकते हैं। ऐसा भोजन जो खाने के बाद तीन घंटे में पच जाता है, उसको खाइए, इन खाद्य-पदार्थों से मेटाबॉलिज्म का स्तर बढ़ता है। ठंडे पानी की मछली और मछली का तेल (जिसमें ईपीए और डीएचए की मात्रा 1 से 2 ग्राम मौजूद होती है, जो थायरॉइड फंक्शन के लिए फायदेमंद होते हैं) थायरॉइड फंक्शन के लिए फायदेमंद होती है।

साबुत अनाज

हाइपरथाइरॉयडिज्म की समस्या तभी होती है, जब शरीर में आवश्यक और पोषक तत्वों की कमी होती है। कभी-कभी आप ऐसे फूड्स का सेवन करते हैं, जिनकी पोषण क्षमता समाप्त हो चुकी होती है, ऐसे में आपके लिए साबुत अनाज फायदेमंद हो सकता है। साबुत अनाज जैसे- ब्राउन राइस, गेहूं, चना आदि। दरअसल, साबुत अनाज में भरपूर मात्रा में कैल्शियम और आयरन होता है, जिससे हड्डियां मजबूत होती हैं। चूंकि थायरॉइड हार्मोन जब ज्यादा बनता है तो उसका असर हड्डियों पर ज्यादा होता है।

हाइपरथाइरॉयडिज्म क्या न खाएं?

कम आयोडीन युक्त आहार लें

जब शरीर में आयोडीन की मात्रा ज्यादा होती है, तब थायरॉइड ग्लैंड ओवरएक्टिव होता है और हाइपरथाइरॉयडिज्म की स्थिति पैदा होती है। हालांकि आयोडीन का सबसे अच्छा स्रोत खाद्य पदार्थ होता है। इसलिए हाइपरथाइरॉयडिज्म में ज्यादा आयोडीन वाले आहार के सेवन से बचना चाहिए। समुद्री भोजन जैसे- समुद्री मछली, समुद्र के आसपास उगे पौधों को खाने से बचें, क्योंकि इनमें आयोडीन की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। इसलिए खाते वक्त यह सुनिश्चित कर लीजिए कि जो आप खा रहे हैं, उसमें आयोडीन की मात्रा ज्यादा तो नहीं।

इन खाद्य पदार्थों से बचें

हाइपरथाइरॉयडिज्म में थायरॉइड ग्रंथि ओवर एक्टिव हो जाती है, हार्मोन का निर्माण ज्यादा मात्रा में होता है। ऐसे में कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे भी हैं, जो थायरॉइड हार्मोन के उत्पादन को प्रभावित करते हैं। ऐसे खाद्य पदार्थों को खाने से बचिए। गोभी, फूलगोभी, स्प्राउट, सरसों का साग, आड़ू, सोयाबीन, पालक और शलजम थायरॉइड हार्मोन के उत्पादन को रोकते हैं। इसलिए इनको बिल्कुल मत खाइए। इसके अलावा रिफाइंड शूगर, कॉफी, कोल्ड ड्रिंक, जैसे पेय जिनमें कैफीन की मात्रा ज्यादा हो, उनको भी खाने से परहेज करना चाहिए।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। शुभांक-5-6-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-6-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपकी योजना से लोग प्रभावित होंगे। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यक्रम बदलने होंगे। व्यापार में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-1-2-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आय के स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-2-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-4-9

काकुरो पहेली - 3991

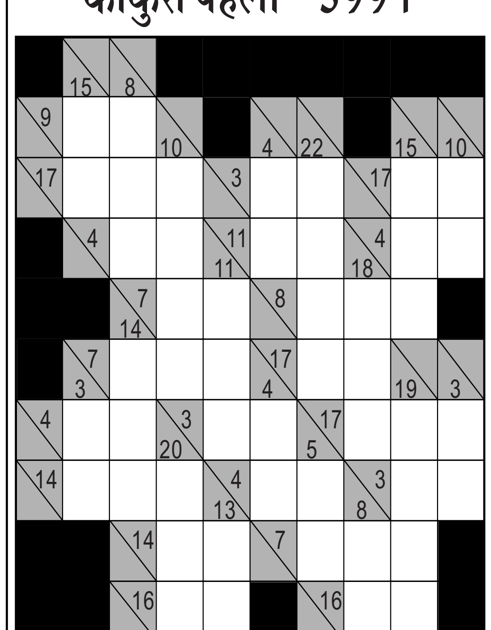

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

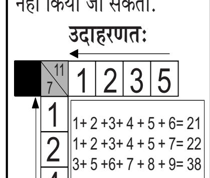

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो -3990 का हल

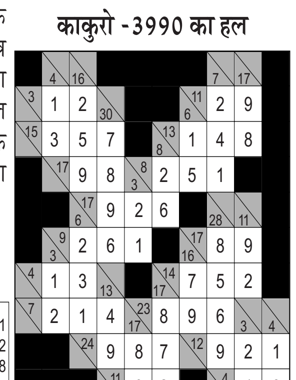

हंसी के फूव्वारें

बबलू अपने मित्र को पिछले रविवार का हाल बता रहा था. 'छुट्टी के दिन सुबह ही से मैं अपने बगीचे में काम कर रहा था. अचानक वहां मुझे एक सिक्का मिल गया. मैंने उसे उठाकर अपनी जेब में रख लिया और दोबारा काम करने लगा. फिर मुझे एक सिक्का मिला, उसे भी मैंने जेब में डाल लिया और काम शुरू कर दिया. तकरीबन दस बार ऐसा ही हुआ.'

मित्र ने दिलचस्पी से पूछा, 'क्यों, क्या कोई खजाना छिपा हुआ था वहां?'

बबलू ने बताया, 'नहीं यार, मेरी जेब फटी हुई थी.'

'अरे यार, आज सड़क पर इतने सारे पेपर क्यों पड़े हैं?'

'भई, ये नगर निगम के इश्तहार हैं. इनमें आम जनता से अपील की गयी है कि सड़कों पर गंदगी न फैलायें.'

एक स्त्री अपने पति को झिड़ककर बोली, 'हाय-हाय ! मेरी तो किस्मत ही फूट गयी, जो तुमसे विवाह हुआ. मुझे तुमसे अच्छे और ज्यादा अक्लमंद वर मिल रहे थे.'

पति बोला, 'बेशक वे मुझसे ज्यादा अच्छे और अक्लमंद थे. तभी तो तुम्हारे चंगुल में नहीं फंसे.'

फिल्म वर्ग पहेली- 3991

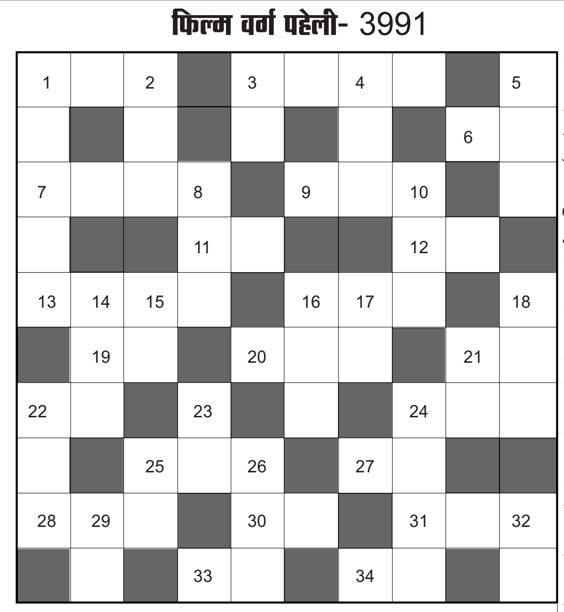

बायें से दायें:-

१. शाहिद कपूर, अमृता राव की फिल्म-३
३. शाहिद कपूर और अमृता राव की जोड़ी वाली पहली फिल्म कौन सी थी-२,२
६. सनी, प्रीति की 'तुझे देखा तो दिल मेरा डोल गया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'वो लड़की जो सबसे अलग है' गीत वाली फिल्म-४
९. शत्रुघ्न सिन्हा, शर्मिला की फिल्म-३
११. 'तू प्यार का सागर है तेरी' गीत वाली बलराज, नूतन की फिल्म-२
१२. अजय, जॉन, लारा, ईशा की फिल्म-२
१३. 'इससे पहले कि याद' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१६. भारतभूषण, नूतन की फिल्म-३
१९. फिल्म 'ईना मीना डीका' में जूही का नाम क्या है-२
२०. मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीतवाली फिल्म-३
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली फिल्म-२
२२. दिलीपकुमार, निम्मी की 'खेलो रंग हमारे संग' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'ऐ बादल झूम के चल' गीत वाली नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२५. सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली ऋतिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
२८. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दो परदेसी अनजाने' गीतवाली फिल्म-३
३०. 'अंखियां ये अंखियां' गीत वाली दिलीप कुमार, रेखा की फिल्म-२
३१. दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३३. अमिताभ-जीनत अमान की हिट फिल्म की शहरूख, प्रियंका स्टारर रीमेक-२
३४. 'ये दौलत भी लेलो' गीतवाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'लगे रहो मुन्ना भाई' में संजयदत्त के साथ नायिका कौन है-२,३
२. सैफ अली खान, काजोल की फिल्म-३
३. 'देखो देखो जानम' गीत वाली फिल्म-२
४. दिलीपकुमार, संजयदत्त, पद्मिनी की 'हाथों की चंद' गीत वाली फिल्म-३
५. अजय देवगन, आयशाटकिया की फिल्म-३
८. 'मेहंदी लाया साजन' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'इश्क पे मत इल्जाम लगाना' गीत वाली ऋषिकपूर, फरहा की फिल्म-३
१४. अजय देवगन अभिषेक, बिपाशा की 'तेरे संग एक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'विक्टोरिया नं. २०३' में प्राण का नाम-२
१६. देवानंद, मधुबाला की 'सावन के महीने में एक' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'रेशम जैसा रंग देखो' गीत वाली गोविंदा, सोनम की फिल्म-२
१८. राजेंद्रकुमार, कामिनी की फिल्म-३
२१. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानवी की फिल्म-२
२२. बॉबी, करिश्मा की 'तुम क्या जानो दिल करता' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'घातक' में सनी का नाम क्या था-२
२४. अजय देवगन, जूही चावला की 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'हम तो दिल से' गीत वाली फिल्म-२
२६. विनोद खन्ना, डिम्पल की फिल्म-३
२९. 'धीमी धीमी सी' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'ओ डार्लिंग ये है इंडिया' में 'मिस इंडिया' कौन बनी है-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3990

उ	म	श	व	जा	न		आ	गा	ज
मं		हु		न		र	ति		मा
ग	ज	ल		शी	बा		श	बा	ना
	मी		अ	न	जा	ना		रू	
स	र	ग	म		र		स	द	मा
हे		द	ला	ल		सु	र		ई
ली	ड	र		ज्वा		ख		खे	ल
	कै		का		सो		आ		व
श	त	औ	र	दि	न		रे		
खी			वॉ		म	न	प	सं	द

सूडोकु -3991

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3990 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्द पहेली - 3991

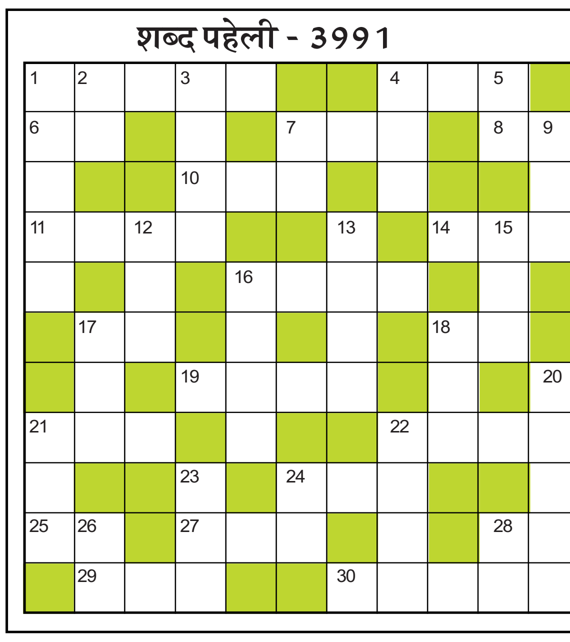

बाएँ से दाएँ

1. हाईकमान-5
4. बुशर्ट, शर्ट-3
6. लाख, गोंद-2
7. प्रतिज्ञा-3
8. मां का भाई-2
10. धनवान, रईस-3
11. मरने के बाद शरीर को परीक्षण के लिये दान करना-4
14. जिज्ञासा, उत्साह-3
16. अनगिनत-4
17. वर्ष, बरस-2
18. लय, स्वर-2
19. गदर, बलवा-4
21. ईर्ष्या-3
22. गरुर, घमंड-4
24. राजा, सम्राट-3
25. पानी से सराबोर-2
27. व्यर्थ, फिजूल-3
28. चतुर्थ, चौथा-2
29. बहने का भाव-3
30. मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1. आरामदायी-5
2. एक अनमोल रत्न, दुलारा-2
3. सेवा शुल्क-4
4. अभिव्यक्ति-3
5. बचत, जोड़-2
7. वहम-2
9. स्वामी-3
12. प्रवेश-3
13. धरोहर, थाती-4
15. तरंग, हिलोर-3
16. निरंकुश, मुंहजोर-4
17. किनारा, तट
18. कामधेनू, सुगंध-3
20. नुकसानदेह-5
21. दुनिया, जग-3
22. कहासुनी-4
23. चयन-3
24. चट्टान, शिला (अंग्रेजी-2)
26. ईश्वर, भगवान-2
28. प्रेम, लगन-2

शब्द पहेली -3990 का हल

	बं	दा	न	वा	ज		आ	स	मा	न
न	दी		र		ल	बा	दा		र	जा
व		ज	म	ज	म		ब	री		क
जी	म	ना			ह	ठ		ता	क	त
व		चा		जे	ल		पे		ता	
न	ग	र	से	ठ		फ	ट	का	र	ना
	री		ना		स	ना		रो		म
सु	ब	ह		दा	म			बा	री	क
र		क	श		झ	न	का	र		र
ता	प		प	र	दा		म		क	ण
ल	थ	प	थ		र	च	ना	का	र	

मुझे जिंदगी में किसी चीज का पछतावा नहीं

देश के जाने-माने फिल्मी परिवार में जन्मीं अक्षरा हासन ने अपने पापा कमल हासन, मम्मी सारिका और बड़ी बहन श्रुति हासन के नक्शेकदम पर चलते हुए एक्टिंग को करियर चुना। हालांकि, उनका कहना है कि उन्हें सिर्फ एक्टिंग नहीं, कला के कई फॉर्म जैसे डांस, लेखन, निर्देशन आदि से प्यार है। उनके लिए यह सिर्फ एक्टिंग तक सीमित नहीं है। बीते दिनों अपनी फिल्म 'सिम्यूलाक्रा' को लेकर चर्चा में रहीं अक्षरा ने जब हमने पूछा कि क्या परिवार में पापा, मम्मी, दीदी सभी के एक्टिंग में होने के चलते उनका भी रुझान फिल्मों की ओर हुआ? इस पर उन्होंने कहा, 'बेशक मेरे कला की ओर झुकाव का श्रेय मेरे पैरेंट्स को जाता है, क्योंकि उन्होंने मुझे अलग-अलग आर्ट फॉर्म को एक्सप्लोर करने की आजादी दी, लेकिन जहां तक एक्टिंग की बात है, वह कोई एक चीज नहीं है, जिससे मुझे प्यार हुआ।'

एक्टिंग ही नहीं, कई आर्ट फॉर्म से प्यार

मुझे कई आर्ट फॉर्म से प्यार है। जैसे, सबसे पहला तो डांस है। फिर राइटिंग, उसके बाद एक्टिंग से प्यार हुआ। अभी डायरेक्शन है तो मुझे सिर्फ एक्टिंग नहीं, कला को कई रूपों से प्यार है। ऐसा नहीं है कि मम्मी-पापा एक्टर थे, तो मैं भी एक्टर बन गई। अभी तो मेरा ज्यादा फोकस डायरेक्शन की ओर है। मैं कुछ डायरेक्ट जरूर करूंगी।'

मौके मिले, पर मुश्किलें भी खूब रहीं

अक्षरा ने साल 2015 में अमिताभ बच्चन और धनुष जैसे सितारों के साथ फिल्म 'शमिताभ' से जोरशोर से अपना एक्टिंग डेब्यू किया था, लेकिन आज 11 साल बाद भी उनका करियर वो परवाज नहीं पा सका। उनके खाते में गिनती की यादगार फिल्में हैं? इसकी वजह पूछने पर वह कहती हैं, 'मुझे मौके मिले लेकिन उसमें मुश्किलें भी खूब रहीं। जो भी फिल्में मुझे मिलीं, उसमें कोई न कोई चीज वर्क नहीं की, इसलिए उसका प्रभाव भी नहीं हुआ। मेरे साथ ज्यादातर यही हुआ। इसीलिए, मैंने खुद को एक्टिंग तक सीमित नहीं रखा, लेखन-निर्देशन जैसी दूसरी विधाओं की ओर मुड़ गई।'

किसी फैसले का पछतावा नहीं

अक्षरा को उनकी पहली फिल्म जाने-माने निर्देशक मणिरत्नम ने ऑफर की थी, जिसे उन्होंने मना कर दिया था। क्या कभी अक्षरा को अपने इस फैसले पर पछतावा होता है? इस पर उनका कहना है, 'मुझे कोई पछतावा नहीं है, क्योंकि हर चीज का एक वक्त होता है। मणिरत्नम सर की फिल्म का जब ऑफर आया था, उस वक्त मेरा फोकस डांस में था और जब मैंने उन्हें अपने दिल की बात बताई तो उन्होंने उसका सम्मान किया और कभी भी मुझे अपराध बोध महसूस नहीं कराया। इसलिए, मुझे उसका कोई अफसोस नहीं है, क्योंकि शायद तब उसका सही समय नहीं था।'

यीन-ऐंग जैसा है दीदी संग रिश्ता

अक्षरा ने हमें अपने पैरेंट्स कमल हासन-सारिका और दीदी श्रुति हासन संग बॉन्डिंग के बारे में भी कई बातें बताई। उन्होंने बताया, 'पापा ने हमेशा यही सिखाया है कि विनम्रता, ईमानदारी और कड़ी मेहनत कामयाबी के तीन मूल मंत्र हैं। इसके अलावा, इंडस्ट्री में किसी चीज को लेकर बहुत जिद्दी नहीं होना चाहिए, हर चुनौती के लिए तैयार रहना चाहिए और अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहिए। ये गुण हमेशा काम करते हैं। यही खूबियां मैंने 'शमिताभ' में काम करते हुए बिग बी में भी देखी थीं।' वहीं, दीदी श्रुति हासन संग रिश्ते पर वह बताती हैं, 'हम बहनें हैं, हम एक दूसरे को लेकर बेहद प्रोटेक्टिव हैं। हम दोस्त भी हैं। हम यीन एंड ऐंग हैं, मतलब हमारा नेचर एक-दूसरे से बिल्कुल अलग है, लेकिन हम एक-दूसरे के बिना रह भी नहीं सकते। यही चीज हमारे बॉन्ड और मजबूत बनाती है।'

कोई याद मिटाना नहीं चाहूंगी

अक्षरा की फिल्म 'सिम्यूलाक्रा' यादों को सहेजने और मिटाने जैसे यूनिक विषय पर है। ऐसे में, 'असल जिंदगी में वह कौन सी यादें मिटाना चाहेंगी? और किसे रखना चाहेंगी? यह पूछने पर वह कहती हैं, 'मैं अपनी सारी यादें और अनुभव अपने पास रखूंगी, क्योंकि उसी ने मुझे वह इंसान बनाया है जो मैं आज हूं तो मैं कोई याद मिटाना नहीं चाहूंगी। हर चीज रखना चाहूंगी। कुछ भी डिलीट नहीं करना चाहूंगी क्योंकि मुझे किसी चीज का पछतावा नहीं है।'

अल्का आहूजा के व्यक्तित्व ने मुझे काफी प्रभावित किया

अभिनेत्री अमृता बागची ने हालिया रिलीज सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' में स्क्वाड्रन लीडर अजय आहूजा की पत्नी अलका आहूजा के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि अलका आहूजा के किरदार ने उन्हें काफी प्रभावित किया था, जिस वजह से वह सीरीज का हिस्सा बनीं। अभिनेत्री ने आईएएनएस से बातचीत में बताया कि अलका आहूजा के व्यक्तित्व ने उन्हें काफी प्रभावित किया, जिसे वह अपने जीवन में लाना चाहती हैं। अभिनेत्री ने बताया, 'अलका आहूजा में एक बहादुर महिला के गुण तो हैं ही लेकिन जिस बात ने मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित किया, वह थी उनकी सकारात्मकता और सहजता। इतनी मुश्किल घड़ियों से गुजरने के बाद भी उनके मन में न तो कड़वाहट है और न ही कभी उनका भरोसा टूटा। उन्होंने बहुत सहजता से अपनी जिंदगी जी है।' सीरीज में दिखाया गया है कि अलका आहूजा अपने पति स्क्वाड्रन लीडर अजय आहूजा का रिश्ता दोस्ती और बराबरी का था। अपने किरदार की तैयारी और पति स्क्वाड्रन लीडर अजय आहूजा के साथ तालमेल बनाने के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'अलका आहूजा और स्क्वाड्रन लीडर अजय आहूजा के रिश्ते को दो तरह के होते हैं। एक तो इस तरह से कि अलका जी और अजय जी के बीच कैसा तालमेल था और वे रोजमर्रा की जिंदगी में एक-दूसरे के साथ कैसे काम करते थे। दूसरी बात, मैंने डायरेक्टर ओनी सेन, क्रिएटर अभिजीत परमार और कुशल श्रीवास्तव से बात की। कुशल कारगिल के समय इंडियन एयरफोर्स में थे। जब मैंने उनसे बात की, तो उन्होंने बताया कि कैसे ओनी, एक डायरेक्टर के तौर पर, परफॉर्मेंस के वॉल्यूम और टोनैलिटी को बहुत अच्छे से गाइड करते हैं।' अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने अलका आहूजा के साथ भी मुलाकात की थी, जिसमें उन्हें किरदार के बुनियाद के बारे में समझने को मिला। उन्होंने कहा, 'अलका जी से मिलने के बाद, मुझे बुनियादी समझ मिली कि दोनों किरदारों के बीच एक बराबरी का मजबूत आधार होना चाहिए। उसके बाद सिद्धार्थ के साथ टेबल रीडिंग और सीन बनाने की प्रक्रिया शुरू हुई।' अभिनेत्री अलका आहूजा ने अभिनेता सिद्धार्थ के स्वभाव की जमकर सराहना की। उन्होंने बताया कि सिद्धार्थ स्वभाव से ही बराबरी में विश्वास रखने वाले इंसान हैं। साथ ही, बहुत ही मिलनसार और उदार को-एक्टर हैं। उन्होंने कहा, ' जब हमने एक-दूसरे से बात की, तो हमें एहसास हुआ कि हमारी सोच मिलती है। साथ मिलकर काम करने का तरीका बहुत अच्छा रहा और इसीलिए यह कैमरे पर इतनी सहजता से दिखाई दिया।

सुरभि चंदना ने तेजस्वी प्रकाश के साथ अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात की

टीवी की दुनिया में सुरभि चंदना और तेजस्वी प्रकाश दोनों ही जाना-पहचाना नाम हैं। दोनों अभिनेत्रियों के बीच कुछ समय पहले एक विवाद की खबरों ने खूब ध्यान खींचा था। अब सुरभि ने पहली बार इस पुराने मतभेद और तेजस्वी के साथ अपने रिश्ते को लेकर कुछ खुलकर बातें की। अभिनेत्री ने बताया कि हमारी दोस्ती काफी पुरानी है। इंडस्ट्री में रिश्तों में उतार-चढ़ाव आना स्वाभाविक है, लेकिन जरूरी यह है कि लोग बात करके चीजों को सुलझाएं और आगे बढ़ें। इंडस्ट्री में कलाकारों के एक-दूसरे को सपोर्ट करने की जरूरत पर बात करते हुए सुरभि ने कहा, इंडस्ट्री के लोग अक्सर अच्छे माहौल, स्वस्थ कामकाज और वर्क एथिक्स की बात करते हैं। इन बातों को सिर्फ कहने तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि कलाकारों को वास्तव में एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करना चाहिए और एक-दूसरे की उपलब्धियों की सराहना भी करनी चाहिए। सुरभि ने कहा, काम के दौरान रिश्तों में कभी-कभी उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। कलाकारों के बीच किसी बात को लेकर गलतफहमी या मतभेद होना कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन उसे लंबे समय तक बनाए रखना सही नहीं है। सुरभि ने कहा, तेजस्वी के साथ मेरा रिश्ता अब भी बना हुआ है।

अंधेरी से कोलाबा का सफर नहीं करना चाहतीं अपूर्वा

हमेशा अपने बयानों और सोशल मीडिया एक्टिविटी से सुर्खियों में रहने वाली मशहूर सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर अपूर्वा मखीजा (रेबिल किड) ने पुष्टि कि है की वे न्यूयॉर्क शिफ्ट हो गई हैं। अपूर्वा का मानना है कि न्यूयॉर्क में जाने के बाद उन्हें अलग एहसास हुआ और फिर उन्होंने इसी शहर में बसने का फैसला लिया। अपूर्वा ने इस बात की जानकारी अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी है। दरअसल, अपूर्वा हाल ही में एक पॉडकास्ट में गई थीं, जिसका लिंक उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर शेयर करते हुए लिखा, 'अब मैं इंडिया में नहीं रहती।' पॉडकास्ट में अपूर्वा ने बताया कि वे भारत में रहकर अपनी जिंदगी बनाने के बारे में नहीं सोच रही हैं। अपूर्वा ने ये भी कहा कि वे पूरी जिंदगी कंटेंट क्रिएटर नहीं बनना चाहतीं। उन्हें लगता है कि ये काम हमेशा नहीं किया जा सकता और वे अब बिजनेस में जाना चाहती हैं। अपूर्वा ने अपनी कॉलेज लाइफ के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि उनका कॉलेज वाला समय सही से नहीं बीता। पहले 2 साल लॉकडाउन में निकल गए और बाकी के 2 साल वे रिलेशनशिप में थीं। अपूर्वा ने कहा कि कॉलेज में वे बस अपने तब के बॉयफ्रेंड का हाथ पकड़कर घूमती थीं। भारत में रहने को लेकर अपूर्वा का कहना है कि वे अभी तक इस देश के सबसे अच्छे शहर में रह रही थीं, लेकिन वे आगे कि जिंदगी अंधेरी से कोलाबा आना-जाना करते हुए नहीं बिताना चाहतीं। पॉडकास्ट में उन्होंने न्यूयॉर्क शिफ्ट होने का फैसला भी बताया। उन्होंने कहा कि भले ही उन्होंने बहुत जगह घूमी है, लेकिन न्यूयॉर्क में आकर उन्हें वहां रहने का मन हुआ।

अपूर्वा ने कहा, 'मैंने काफी ट्रैवल किया है और जब मैं न्यूयॉर्क पहुंची तो मुझे लगा, 'मैं सच में यहां रहना चाहती हूं, इस शहर में कुछ अलग बात है। यहां सब बहुत तेज है, लोग बहुत अच्छे कपड़े पहनते हैं और खाना भी बढ़िया है। मुझे यहां की बिल्डिंग्स बहुत पसंद हैं और मैंने न्यूयॉर्क को अपनी पसंदीदा वेब सीरीज में लगभग हर जगह देखा है।' अपूर्वा ने ये भी बताया कि वो न्यूयॉर्क में पढ़ाई करने को लेकर इतनी पक्की थीं कि उन्होंने शहर में सिर्फ एक ही कॉलेज में अप्लाई किया। उन्होंने कहा, 'मैंने सोचा था 'अगर एडमिशन मिल गया तो मिल गया और मैं चली जाऊंगी।'' हालांकि अपूर्वा ने पहले भी कई पॉडकास्ट में न्यूयॉर्क शहर में जाने और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में ज्यादा समय तक न टिकने की बात की है। अपूर्वा का कहना है कि वे आगे की पढ़ाई के लिए विदेश जाएंगी और अभी वे फैशन या मैनेजमेंट में मास्टर्स की तैयारी कर रही हैं।

सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं कियारा और सैफ अली खान

कियारा और सैफ अली खान दोनों एक्टर्स इन दिनों अपनी आने वाली फिल्मों को लेकर व्यस्त हैं। अब खबरें सामने आ रही हैं कि दोनों एक इंटेंस थ्रिलर फिल्म में स्क्रीन शेयर कर सकते हैं।

खास बात यह है कि इस फिल्म से राइटर-प्रोड्यूसर कनिका ढिल्लों बतौर डायरेक्टर अपना डेब्यू करने जा रही हैं। पिंकविला की रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस अनटाइटल्ड फिल्म को एक्सेल एंटरटेनमेंट्स प्रोड्यूस कर सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म अभी डेवलपमेंट स्टेज में है। इसकी स्क्रिप्ट को खास तौर पर सैफ अली खान और कियारा आडवाणी को ध्यान में रखकर लिखा जा रहा है। मेकर्स इस फिल्म की शूटिंग इसी साल के आखिर तक शुरू करने की तैयारी में हैं। प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र ने पोर्टल को बताया, 'सैफ और कियारा कनिका की अगली फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं। यह सुपरनैचुरल एलिमेंट वाली एक इंटेंस थ्रिलर है और इसकी स्क्रिप्ट दोनों एक्टर्स को ध्यान में रखकर तैयार की जा रही है। कनिका, एक्सेल एंटरटेनमेंट्स और राइटिंग टीम काफी समय से इस कहानी पर काम कर रही है और अब मेकर्स इसे आगे बढ़ाना चाहते हैं।' फिलहाल फिल्म को लेकर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। स्क्रिप्ट पूरी तरह तैयार होने के बाद मेकर्स फिल्म से जुड़ी और जानकारी शेयर कर सकते हैं।

कियारा आडवाणी की बात करें तो वह जल्द ही फिल्म 'टॉक्सिक' में नजर आने वाली हैं। फिल्म में यश डबल रोल में दिखाई देंगे। फिल्म में नयनतारा, हुमा कुरेशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत भी अहम भूमिकाओं में हैं। 'टॉक्सिक' दुनियाभर में 26 अगस्त 2026 को रिलीज होने वाली है। वहीं सैफ अली खान अगली बार फिल्म 'हैवान' में नजर आएंगे। यह एक क्राइम थ्रिलर फिल्म है, जिसे प्रियदर्शन ने लिखा और डायरेक्ट किया है। 'हैवान' में सैफ अली खान के साथ अक्षय कुमार, बोमन ईरानी, श्रिया पिलगांवकर और सैयामी खेर भी नजर आएंगे। फिल्म 11 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।